CMYK CMYK

धर्मेंद्र प्रधान दो दिवसीय यूएई यात्रा पर रवाना, IIM परिसर और अन्य परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 वर्ष-61 > अंक - 256 रायपुर बुधवार 10 सितंबर 2025 विक्रम संवत 2082 पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में कहर, 2 अग्निवीरों समेत 3 जवान शहीद, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

उपराष्ट्रपति चुनाव : सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले

देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे राधाकृष्णन

नईदिल्ली,एजेंसी

देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योकिं पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था।

राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले। उन्हें भारत का उपराष्ट्रपति चुना गया है। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरीयता के 300 वोट मिले। मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए, 752 वैध और 15 अवैध थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। चुनाव से एक दिन पहले सोमवार को विपक्ष के सांसदों ने एकजुटता प्रकट करते हुए बैठक की थी और 'मॉक' (प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया था ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो। विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे।

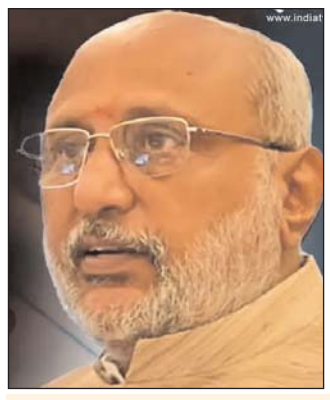

सीपी राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। 67 वर्षीय राधाकृष्णन, जो वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे हैं। अब वह उपराष्ट्रपति का पद संभालेंगे।

17 साल की उम्र में RSS से जुड़े

सीपी राधाकृष्णन का जन्म तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में हुआ। 17 साल की उम्र से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए हैं। बीजेपी के साथ उनका लंबा सफ़र रहा है। उनका राजनीतिक सफर 1998 में शुरू हुआ, जब वे कोयंबटूर से लोकसभा के लिए चुने गए।

दो बार लगातार रहे सांसद

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान वे 1998 और 1999 के आम चुनावों में लगातार दो बार सांसद बने। 1998 की जीत खास थी, क्योंकि यह कोयंबटूर बम विस्फोटों के बाद हुई थी और भाजपा को तमिलनाडु में पहली बार तीन सीटें मिलीं। 2004-2007 तक वे तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के बाढ़ और वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

केन्द्र ने 1,500 करोड़ रुपए के आर्थिक मदद का किया ऐलान

पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन के कारण बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा के लिए 9 सितंबर 2025 को हिमाचल प्रदेश का दौरा किया।

प्रधानमंत्री ने सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के चंबा, भरमौर, कांगड़ा और अन्य प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कांगड़ा में एक आधिकारिक बैठक की जिसमें राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में हुए नुकसान का आकलन भी किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने समस्त क्षेत्र और लोगों को सामान्य स्थिति पर लाने के लिए एक बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। यह प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए घरों के पुनः निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों के पुनः निर्माण और पशुधन के लिए मिनी किट सहित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान करने के जरिए किया जाएगा।

नॉर्थ दिल्ली में बड़ा हादसा - पंजाबी बस्ती में 4 मंजिला इमारत ढही, 14 लोगों का रेस्क्यू

एजेंसी। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के सब्जी मंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत पंजाबी बस्ती में मंगलवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। दिल्ली फायर सर्विस को मंगलवार सुबह 2.52 बजे इस घटना की सूचना मिली। गनीमत रही कि हादसे के समय इमारत खाली थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है। जानकारी सामने आई है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पहले ही इस इमारत को खतरनाक घोषित कर रखा था। हादसे के बाद पास की एक इमारत में फंसे 14 लोगों को दिल्ली फायर सर्विस के कर्मियों ने सुरक्षित निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें आई, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली फायर सर्विस की 5 गाड़ियां मौके पर तैनात हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इमारत के मलबे में कई वाहन दब गए हैं। दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्य में जुटी हैं।

नेपाल संकट : दिल्ली-काठमांडू के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और नेपाल एयरलाइंस की सभी उड़ानें रद्द

नई दिल्ली. नेपाल में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों और अस्थिर हालात का असर हवाई सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है. मंगलवार को एयर इंडिया ने दिल्ली से काठमांडू जाने और वहां से लौटने वाली अपनी चार उड़ानें रद्द कर दीं. इसी तरह इंडिगो और नेपाल एयरलाइंस ने भी दिल्ली-काठमांडू मार्ग पर अपनी सेवाएं बंद कर दीं. नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद किया गया है. यही वजह है कि यात्री विमानों को संचालन में कठिनाई हो रही है. एयर इंडिया के एक विमान को तो मंगलवार को दिल्ली लौटना पड़ा, क्योंकि लैंडिंग से ठीक पहले काठमांडू एयरपोर्ट के पास धुआं नजर आया. सुरक्षा कारणों से पायलट ने तुरंत वापसी का फैसला किया. एयर इंडिया ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, काठमांडू में मौजूदा हालात को देखते हुए दिल्ली-काठमांडू-दिल्ली मार्ग पर आज संचालित होने वाली उड़ानें एआई 2231/2232, एआई 2219/2220, एआई 217/218 और एआई 211/212 रद्द की जा रही हैं।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों का दर्द जानने पहुंचे मोदी, 1600 करोड़ रुपये की सहायता का ऐलान

एजेंसी।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरदासपुर पहुंचकर पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और 1600 करोड़ की तत्काल वित्तीय सहायता की घोषणा की। इस व्यापक पैकेज में आवास पुनर्निर्माण, कृषि सहायता, राष्ट्रीय राजमार्गों व स्कूलों का जीर्णोद्धार जैसे बहुआयामी उपाय शामिल हैं, जो प्रभावित समुदायों को त्वरित राहत प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। एसडीआरएफऔर पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसमें पीएम आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे। पीएमओ ने बताया कि कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। जिन बोरों में गाद भर गई है या जो बह गए हैं, उनके नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार के विशिष्ट प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत परियोजना मोड पर सहायता प्रदान की जाएगी। डीज़ल से चलने वाले बोर पंपों के लिए, सौर पैनलों के लिए MNRE के साथ अभिसरण और प्रति बूंद अधिक फसल दिशानिर्देशों के तहत सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत, पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत ÷विशेष परियोजना÷ के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए पात्र परिवारों को घरों के पुनर्निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए सरकारी स्कूलों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

टीक-टॉक की वापसी पर सरकार ने खत्म किया सस्पेंस, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिया फाइनल जवाब

नई दिल्ली । भारत और चीन के बीच सुधरते रिश्तों के बीच क्या देश में लोकप्रिय शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक की भी वापसी होगी? पिछले कुछ हफ्तों से चल रही इन अटकलों पर अब केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पूरी तरह से विराम लगा दिया है। उन्होंने दो टूक शब्दों में साफ किया है कि सरकार की टिकटॉक पर से प्रतिबंध हटाने की कोई योजना नहीं है। एक निजी मीडिया हाउस 'मनी कंट्रोल' को दिए इंटरव्यू में केंद्रीय मंत्री ने इन अफवाहों पर सरकार का पक्ष आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या टिकटॉक की वापसी को लेकर सरकार में कोई विचार-विमर्श चल रहा है, तो उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर सरकार के भीतर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है।

2047 तक विकसित भारत बनाना, जिसके लिए सभी स्वदेशी अपनाएं- शिवराज सिंह

पीआईबी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में वोकल फ ॉर लोकल के संकल्प को मजबूती देने के साथ ही स्वदेशी अपनाने का प्रण लेते हुए वृहद सरस आजीविका मेले का औपचारिक शुभारंभ आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की सदस्य लखपति दीदियों के साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री श्री चंद्र शेखर पेम्मासानी एवं श्री कमलेश पासवान और ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव श्री शैलेश कुमार सिंह, दिल्ली के मुख्य सचिव श्री धर्मेंद्र सहित केंद्र व दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विश्व | 300 से ज्यादा लोग घायल

नेपाल में आंदोलन के पीछे एक युवक जिसने हिलाई केपी शर्मा ओली सरकार

एजेंसी

नेपाल इन दिनों इतिहास के सबसे बड़े राजनीतिक संकट से गुजर रही है. देश की जनता खासकर युवा और छात्र सरकार के खिलाफराजधानी काठमांडू सड़कों पर उतर आए हैं. यह आंदोलन उस वक्त शुरू हुआ जब सरकार ने अचानक 4 सितंबर को Facebook, Instagram, WhatsApp, YouTube और एक्स समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफ ार्म पर बैन लगा दिया. सोशल मीडिया पर रोक के चलते नाराज लोग काठमांडू की सड़कों पर एकजुट हो गए और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू किया. लेकिन धीरे-धीरे यह विरोध प्रदर्शन हिंसक रूप लेने लगा.

संसद भवन के सामने बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए छात्र सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने लगे. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर फ ायरिंग शुरू कर दी. इस हिंसा में अब तक 19 छात्रों की मौत हो चुकी है. जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं. ऐसे भयानक हालात बनने के बाद गृह मंत्री रमेश लेखक ने नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा दे दिया. वहीं प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अब दुबई भागने की फिराक में हैं. इस पूरे आंदोलन के पीछे एक मजबूत नेतृत्व है. सुदन गुरंग 36 साल के हैं और हामी नेपाल नामक एनजीओ के अध्यक्ष हैं. सुदन ने सोशल मीडिया पर छात्रों से स्कूल यूनिफार्म और किताबें लेकर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी. ताकि यह आंदोलन अहिंसक बने. उनका मकसद था युवाओं को सही दिशा में संगठित करके लोकतंत्र की रक्षा करना.

सुदन गौरांग का खुद का जीवन भी प्रेरणादायक सुदन गौरांग का खुद का जीवन भी प्रेरणादायक है. 2015 के विनाशकारी भूकंप में उन्होंने अपने बच्चे को खो दिया. इसी दर्द ने उन्हें समाज सेवा और जन आंदोलनों के लिए प्रेरित किया. खामी नेपाल की शुरुआत उन्होंने आपदा राहत कार्य से की थी. लेकिन बाद में भ्रष्टाचार और सरकार की गलत नीतियों के खिलाफभी आवाज उठाने लगे. सुदन सुदन गौरांग ने बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज में अनियमितताओं के खिलाफ घोपा कैंप आंदोलन की शुरुआत की थी. धीरे-धीरे उनकी छवि जनरेशन जी यानी जैन जी के नेता के रूप में बन गई. इस आंदोलन का असर केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहा. पोखरा, बुटवल, विराट नगर, दमक जैसे कई बड़े शहरों से आम लोग भी इसमें शामिल हुए. हर वर्ग के लोगों ने सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई।

नेपाल में तख्तापलट : प्रधानमंत्री का स्तीफा, संसद में आगजनी

काठमांडू. एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया क्योंकि सरकार के सोशल मीडिया प्रतिबंध पर हिंसक विरोध प्रदर्शन तेज हो गए थे. उनके सहयोगी प्रकाश सिलवाल ने इसकी पुष्टि की. नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध हटाने की घोषणा के बावजूद, दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे. प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को 20 लोगों की मौत और 250 से ज़्यादा घायलों के बाद ओली और सरकार को हटाने की मांग की. प्रदर्शनकारी संसद में घुस गये और आगजनी की है.

अपने इस्तीफे से कुछ घंटे पहले ही, ओली ने प्रदर्शनकारियों से शांति और संयम बनाए रखने की अपील की थी और बातचीत के ज़रिए समाधान निकालने का आह्वान किया था. उन्होंने संकट के समाधान के लिए शाम 6 बजे एक सर्वदलीय बैठक की भी घोषणा की थी. ओली ने अपने बयान में कहा, किसी भी प्रकार की हिंसा राष्ट्रहित में नहीं है. हमें शांतिपूर्ण बातचीत और चर्चा अपनानी चाहिए.

पद छोड़ने की सलाह

सेना के सूत्रों के अनुसार, ओली ने पहले नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल से बात की थी और बिगड़ते हालात को नियंत्रित करने और प्रधानमंत्री आवास से अपने सुरक्षित बाहर निकलने के लिए सैन्य सहायता मांगी थी. सेना प्रमुख ने कथित तौर पर उन्हें पद छोड़ने की सलाह देते हुए कहा था कि सेना तभी स्थिति को स्थिर कर सकती है जब वह सत्ता छोड़ दें।

सुरक्षा अभियान तेज - इस बीच, काठमांडू में सुरक्षा अभियान तेज हो गए. सरकारी अधिकारियों को त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचाने के लिए भैसपति स्थित मंत्रिस्तरीय आवास से लगभग एक दर्जन हेलीकॉप्टर उड़ान भर रहे थे. प्रमुख मंत्रियों के परिवहन के लिए कम से कम पांच सैन्य हेलीकॉप्टर तैनात किए गए. बाद में, बढ़ते तनाव के बीच त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया और सभी उड़ानें रद्द कर दी गई. प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर ड्रोन उड़ाकर, आतिशबाजी करके और विमानों में बाधा डालने के लिए लेजर लाइट का इस्तेमाल करके परिचालन बाधित करने का आह्वान किया.

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के घरों में घुसी भीड़

पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में लगाई आग, पत्नी की जलने से हुई दर्दनाक मौत

Gen-Z प्रदर्शन पर भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी, नेपाल में भारतीय नागरिकों को सलाह

ग्वांगझो एजेंसी।

नेपाल में जारी Gen-Z प्रदर्शन को देखते हुए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने एजवाइजरी जारी की है। प्रदर्शन की वजह से नेपाल में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 300 लोग घायल हैं।

नेपाल के घटनाक्रम पर कड़ी नजर विदेश मंत्रालय ने आगे बयान में कहा गया, ÷हम कल से नेपाल के घटनाक्रम पर कड़ी नजर रख रहे हैं और कई युवाओं की मौत से बेहद दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं मृतकों के परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करते हैं। एक घनिष्ठ मित्र और पड़ोसी होने के नाते, हम आशा करते हैं कि सभी संबंधित पक्ष संयम बरतेंगे और शांतिपूर्ण तरीकों और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे का समाधान करेंगे।÷ बयान में आगे कहा गया, ÷हमने यह भी संज्ञान लिया है कि अधिकारियों ने काठमांडू और नेपाल के कई अन्य शहरों में कर्फ्यू लगा दिया है। नेपाल में भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और नेपाली अधिकारियों द्वारा जारी किए गए कदमों और दिशानिर्देशों का पालन करें।÷

काठमांडू में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू नेपाल की राजधानी काठमांडू में मंगलवार को अधिकारियों ने अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। पिछले आदेश को हटाए जाने के कुछ ही घंटों बाद ये प्रतिबंध फिर से लागू कर दिए गए। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने सुबह 8:30 बजे से अगली सूचना तक पूरे राजधानी शहर में कर्फ्यू के आदेश जारी किए।

CMYK CMYK

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संस्कृत, हमें इसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा - मुख्यमंत्री साय

संस्कृत हमारी विरासत का आधार, इसे संरक्षित करना सबकी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन में हुए शामिल

रायपुर, संवाददाता

भारतीय संस्कृति की आत्मा संस्कृत में निहित है, जो हमें विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। संस्कृत भाषा व्याकरण, दर्शन और विज्ञान की नींव है, जो तार्किक चिंतन को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित सरयूपारीण ब्राह्मण सभा भवन में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी प्रासंगिक और उपयोगी है। संस्कृत भाषा और साहित्य हमारी विरासत का आधार हैं, जिन्हें हमें संरक्षित और संवर्धित करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देववाणी संस्कृत पर चर्चा के साथ यह सम्मेलन भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने का एक महान प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ और सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में संस्कृत भाषा को शामिल करने से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास सुनिश्चित होगा। संस्कृत में वेद, उपनिषद और पुराण जैसे ग्रंथों का विशाल भंडार है, जो दर्शन, विज्ञान और जीवन-मूल्यों का संदेश देते हैं। वेदों में वर्णित आयुर्वेद, गणित और ज्योतिष आज भी प्रासंगिक हैं और शोध का विषय हो सकते हैं। इन ग्रंथों में कर्म, ज्ञान और भक्ति के सिद्धांत स्पष्ट रूप से प्रतिपादित हैं, जो आधुनिक जीवन में शांति और संतुलन ला सकते हैं।ऐसे में संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक और उपयोगी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वेदों और उपनिषदों के ज्ञान को अपनाकर हम अपनी विरासत को संजोने के साथ-साथ अपने जीवन को भी समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं को संस्कृत साहित्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करना होगा, ताकि वे इस ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुँचा सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तकनीक के माध्यम से संस्कृत शिक्षा को आकर्षक और प्रासंगिक बनाया जा सकता है। राज्य में संस्कृत विद्वानों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से हमें संस्कृत विद्या के प्रचार-प्रसार और अगली पीढ़ी को जोड़ने का संकल्प लेना चाहिए।

मंत्री केदार के खिलाफ कांग्रेस के भ्रामक प्रचार का षड्यंत्र उजागर होगा फिर मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे - रजनीश

आदिवासी मंत्री को सुनियोजित तरीके से कर रहे बदनाम।

जगदलपुर,। बस्तर के कद्दावर आदिवासी मंत्री केदार कश्यप पर लगाये जा रहे भ्रामक आरोपो पर भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष रजनीश पानीग्राही ने कहा कि कांग्रेस को भ्रामक प्रचार का सहारा लेकर एक आदिवासी मंत्री को बदनाम करने की ऐसी ओछी हरकत करना शोभा नहीं देता है। कांग्रेस को यह अच्छी तरह से पता है, कि बस्तर में यदि कांग्रेस को अपना जनधार पाना है, तो बस्तर के आदिवासी समाज में गहरी पैठ रखने वाले सर्वमान्य भाजपा के आदिवासी नेता केदार कश्यप को बदनाम करना आवश्यक है। केदार कश्यप को बदनाम किए बिना बस्तर संभाग में कांग्रेस की दाल गलने वाली नहीं है। कांग्रेस इससे पहले भी हमारे आदिवासी नेता केदार कश्यप को लेकर इस तरह के टूल-कीट का उपयोग करती रही है, लेकिन उन्हे इसमें कभी भी सफलता नही मिली। उन्होने कहा कांग्रेस का आदिवासी मंत्री के खिलाफयह षड्यंत्र है। समय

भानुप्रतापपुर परिवहन संघ के चुनाव 10 को होगी

युवा पैनल ने 14 बिंदुओं पर जारी किया घोषणा पत्र

संवाददाता

भानुप्रतापपुर, भानुप्रतापपुर परिवहन संघ चुनाव - 2025 के चुनाव को लेकर युवा पैनल के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सचिन दुबे ने रविवार को प्रेसवार्ता कर 14 बिंदुओं पर अपना चुनावी घोषणा पत्र जरी किया है।

उन्होंने पत्रकारो को जानकारी देते हुए बताया कि 10 सितम्बर को भानुप्रतापपुर परिवहन संघ के अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों के लिए मतदान होना है। उन्होंने

घोषणा-पत्र जारी करते हुए बताया कि हमारी युवा पैनल के द्वारा भानुप्रतापपुर परिवहन संघ के विभिन्न समस्याओं के निराकरण करने हर संभव प्रयास करेगी। 14 बिंदुओं पर तैयार की गई घोषणा पत्र से निश्चित ही सदस्यों को राहत मिलेगी। हमारा उद्देश्य पारदर्शिता ढंग से छोटी से छोटी समस्याओ का निराकरण करना, 100 प्रतिशत संघ के लिए काम करना एवं छोटे से छोटे ट्रांसपोर्टर को साथ लेकर मिलकर उनके साथ चलेंगे की बात कही। कोषाध्यक्ष प्रत्याशी नरेंद्र शर्मा ने कहा कि प्रयास के बाद 5 साल बाद परिवहन संघ का चुनाव होने जा रहा है। चुनाव का उद्देश्य संघ का प्रतिनिधि चुनना है। यदि हमे परिवहन संघ के नेतृत्व करने का अवसर मिलता है तो जो हमारे पुराने अनुभवी सदस्यों है उन्ही के मार्गदर्शन पर ही परिवहन संघ का संचालन करेंगे। यह चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था है,परिवर्तन व अच्छे लोगो को जिम्मेदारी दिया जाना चाहिए। मैं संघ के सदस्यों से अपील करना चाहूंगा कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए संघ के बेहतर संचालन का अवसर प्रदान करे।

सचिव पद के लिए ललित अग्रवाल, उपाध्यक्ष के लिए संदीप पवार एवं सह सचिव के लिए विभाष जायसवाल है।

घोषणा पत्र

सिर्फ वादें ही नहीं, मजबूत इरादे 1. संघ के सदस्यों की समस्या एवं संघ के विभिन्न विषयों पर चर्चा हेतु प्रति 02 माह में अनिवार्यतः आमसभा रखेंगे व आय - व्यय की जानकारी से अवगत करायेंगे 2. संघ के पिछले कार्यकाल के आय-व्यय की जानकारी लेकर संघ के सदस्यों के समक्ष सार्वजनिक किया

जायेगा 3. परिवहन संघ की संपत्ति का दुरुपयोग नहीं होने देंगे तथा सदस्यों के मासिक शुल्क में रियायत दी जाएगी।

4 संघ क्षेत्र में इसी कार्यकाल में ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने के लिए यथासंभव प्रयास करेंगे ।5. सदस्य की वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर, वाहन के पुनः बन जाने तक की अवधि में नुकसान की भरपाई हेतु उनके लिए स्पेशल ट्रीप देना तय करेंगे।6. संघ के किसी भी पदाधिकारी द्वारा स्वयं के लिए संघ क्षेत्र में ट्रांसपोटिंग का कार्य नहीं लिया जायेगा, जो

भी काम होगा वो संघ के लिए होगा।7. सभी सदस्यों की सुविधा के लिए समस्त खदानों के भुगतान का पीडीएफ उपलब्ध करवाया जायेगा ।8. बोर्ड में किसी भी दशा में गलत गाड़ियों को नहीं लगाया जायेगा एवं सभी खदानों में रेसिओ (अनुपात)

बढ़ाने के लिए हर स्तर में प्रयास किया जायेगा ।9. संघ के पदाधिकारी एवं कमिटी के सदस्य प्रतिदिन संघ में उपस्थित रहेंगे ।10. चेमल माइंस में सदस्यों की सुविधा के लिए संघ की ओर से डीजल प्रदान करवाया जायेगा ।11. तेन्दूपत्ता लोकल परिवहन कार्य पुनः संघ में लाया जायेगा, साथ ही रेक पॉइन्ट (चावल, सीमेंट) का कार्य सुनियोजित करने का भरसक प्रयास करेंगे ।12. बारह (12) चक्का वाहन मालिकों को सभी खदानों में कार्य मिले इसके लिए विशेष योजना बनाएंगे ।13. यदि हमारे पैनल को नेतृत्व का अवसर मिलता है तो संघ का पूरी पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष संचालन करेंगे। 14. परिवहन संघ के प्रत्येक सदस्य का मान सम्मान हमारी पहली प्राथमिकता होगी, समस्त सदस्यों के सहयोग से पूरी निष्ठा के साथ संघ का संचालन करेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का बड़ा बयान : धर्मांतरण पर सख्त कानून

भगवा ध्वज विवाद पर स्पष्ट रुख

रायपुर, संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने राजधानी रायपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने दुर्ग जिले के मचांदुर गांव में एक आर्मी जवान के घर पर भगवा झंडा लगाने को लेकर हुए विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया दी। साथ ही धर्मांतरण पर सख्त कानून लाने की तैयारी की भी जानकारी दी।

भगवा ध्वज विवाद पर दो टूकः उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जिस सैनिक के घर भगवा ध्वज लगाया गया था, उसी से विवाद किया गया। अब उनके घर पर फिर से भगवा झंडा फहराया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे युवा मोर्चा के अध्यक्ष राहुल टिकरिया खुद भगवा ध्वज लेकर वहां जा रहे हैं। भारत की आस्था और धर्म पर कोई हमला होगा तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

धर्मांतरण पर सख्त कानून की तैयारी: शर्मा ने धर्मांतरण के मामलों को लेकर चिंता जताई और कहा कि कई इलाकों से प्रलोभन देकर धर्मांतरण की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पर एक नया कानून ला रही है, जिससे पुलिस को कार्रवाई में आसानी होगी और समाज में उत्पन्न हो रहे तनाव को रोका जा सकेगा।

वोट चोरी जनसभा पर कांग्रेस को घेराः बिलासपुर में कांग्रेस द्वारा आयोजित 'वोट चोरी' जनसभा पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि वोट चोरी जैसा कोई मुद्दा है ही नहीं। राहुल गांधी ने सिर्फएक हवा बनाई और कांग्रेस उसमें बह चली। राहुल गांधी को चुनाव प्रक्रिया की समझ नहीं है, क्योंकि उन्होंने कभी पोलिंग या काउंटिंग एजेंट के रूप में काम नहीं किया।

एशिया कप 2025 मलेशिया में भारतीय बास्केटबॉल टीम से महासमुंद की दिव्या रंगारी होगी शामिल

महासमुंद, संवाददाता।

FIBA अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जाना है। जिसके लिए बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तक नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर चेन्नई में आयोजित है, जिसमें भारतीय अंडर 16 महिला राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी का चयन हुआ है। भारतीय टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर पश्चात् भारतीय टीम FIBA अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 सेरेम्बन मलेशिया में 13 से 19 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें भारतीय टीम साऊथ एशियन जोन की टीम से शामिल होगी। जिसके लिए 12 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ से महासमुन्द जिले की दिव्या रंगारी का चयन होने से प्रदेश एवं जिले में खुशी की लहर देखी जा रहीं है। इससे पहले अंडर 16 एशिया कप SABA क्वालिफायर बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 15 जून 2025 तक मालदीव में आयोजित किया गया था। जिसमें भारतीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने के साथ चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता एवं एशिया कप 2025 मलेशिया के लिए क्वालीफाई किया।

खड़गे के बयान पर सीएम विष्णुदेव साय का पलटवार

देश देख रहा है, हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने - साय

रायपुर,। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से काम कर रहे हैं। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। जबकि 2014 से पहले कांग्रेस शासन के दौरान भारत आर्थिक रूप से पिछड़ गया था और 10वें स्थान पर था।

गणेश विसर्जन के दिन खूनी संघर्ष, एक युवक की मौत

खैरागढ़, गणेश विसर्जन के पावन पर्व पर खैरागढ़ में उत्सव का माहौल उस समय मातम में बदल गया जब एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. यह दुखद घटना गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान सांस्कृतिक भवन के पास हुई, जिसके बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान दीपक यादव (21 वर्ष), निवासी दाऊचौरा के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि विसर्जन जुलूस के दौरान किसी बात को लेकर दीपक का कुछ लोगों से विवाद हो गया. यह विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक ने दीपक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. आरोपी ने दीपक की कमर और हाथ पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। खून से लथपथ दीपक को तुरंत खैरागढ़ के सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद से आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुट गई हैं. पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। गणेश विसर्जन के उल्लासपूर्ण माहौल में हुई इस वारदात ने शहर को स्तब्ध कर दिया है और लोग इस घटना से बेहद दुखी हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल ने नवम्बर 2025 की परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की

रायपुर, छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा (नवम्बर 2025) के लिए आवेदन प्रक्रिया आज से शुरू कर दी गई है। इच्छुक छात्र ऑफिशियल वेबसाइट [sos.cg.nic.in/] (httpsÑ//sos.cg.nic.in/) पर जाकर ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। राज्य ओपन स्कूल के सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षार्थी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 8 अक्टूबर 2025* तक आवेदन कर सकते हैं। जबकि 11 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ आवेदन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक छात्रों को समयसीमा का विशेष ध्यान रखते हुए जल्द से जल्द आवेदन करने की सलाह दी गई है।

रायपुर : ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को मंजिल तक पहुंचा रही सरस्वती

ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को मंजिल तक पहुंचा रही सरस्वती

दीदी ई-रिक्शा योजना से मिली नई दिशा

रायपुर, संवादाता

दीदी ई-रिक्शा योजना से मिली नई दिशा सरस्वती नेताम आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं। कुछ समय पहले तक उनका जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। सरस्वती मजदूरी और छोटे-मोटे काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं। कोंडागांव जिले के नहरपारा की रहने वाली सरस्वती के परिवार में उनकी माँ और बड़ी बहन भी हैं, जिनकी जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। आर्थिक तंगी के कारण जीवन यापन बेहद मुश्किल हो गया था। ऐसे में श्रम विभाग की दीदी ई रिक्शा योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी है।

सरस्वती बताती हैं कि एक दिन उन्हें स्थानीय विधायक सुश्री लता उसेंडी से दीदी ई-रिक्शा योजना के बारे में जानकारी मिली। यह योजना श्रम विभाग द्वारा संचालित की जा रही है और इस योजना का लाभ उठाने के लिए छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिसके बाद जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना के बारे में सुनकर सरस्वती ने हिम्मत जुटाई और आवेदन किया। उनकी पात्रता जांच के बाद उन्हें श्रम विभाग की ओर से 50 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस अनुदान की मदद से सरस्वती ने एक ई-रिक्शा खरीदी। शुरुआत में उन्हें वाहन चलाने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन धैर्य और लगन से उन्होंने धीरे-धीरे इसे सीख लिया। आज सरस्वती प्रतिदिन शहर में ई-रिक्शा चलाकर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाती हैं। उनका कहना है कि इससे उन्हें महीने में 15 से 20 हजार रुपये तक की आमदनी हो जाती है। इस आमदनी से सरस्वती न केवल घर का खर्च उठा रही हैं बल्कि ई-रिक्शा की किस्त और अन्य आवश्यकताओं को भी पूरा कर पा रही हैं। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। पहले जहाँ उन्हें जीवकोपार्जन के लिए इधर-उधर काम तलाशना पड़ता था, अब उनके पास स्थायी आय का साधन है।

सुरक्षा बलों ने सर्चिंग अभियान के दौरान माओवादीयों के छुपाये हथियार व विस्फोटक किए बरामद

बीजापुर, संवाददाता।

जिले के उसूर थाना क्षेत्रान्तर्गत FOB गुंजेपर्ती क्षेत्र के जंगल में सुरक्षा बलों द्वारा की गई संयुक्त कार्रवाई में माओवादियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखा गया हथियार और विस्फोटक तैयार करने के उपकरण, अन्य सह उपकरण, और भारी मात्रा मे विस्फोटक सामग्री का डम्प बरामद किया गया। सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम में कोबरा 205, केरिपु 196 यंग प्लाटून बस्तरिया, केरिपु 229 शामिल रहे।

अभियान के दौरान बरामद सामग्री :-* लेथ मशीन, इलेक्ट्रिक जनरेटर, वाटर पम्प, इलेक्ट्रिक कटर, भारी उपकरण जैसे हाइड्रोलिक सिलेंडर, जेक्स, स्पूलर, मोटर पार्ट्स, औद्योगिक उपयोग की वस्तुएंः वायर, टूल बॉक्स, ड्रिल बिट्स, कंटेनर, स्टील प्लेट्स, विस्फोटक निर्माण सामग्री और दवाइयाँ

बरामद सभी उपकरणों एवं सामग्री को सुरक्षा मानकों के अनुसार नष्ट किया गया, जिससे माओवादियों की संभावित बड़ी साजिश को विफल किया गया।यह कार्रवाई माओवादी नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता है।

,खेल ` सात मेडल्स जीतकर जिले का नाम रोशन किया है।

राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में बलौदाबाजार के खिलाड़ियों ने जीते सात मेडल

राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में बलौदाबाजार के खिलाड़ियों ने जीते सात मेडल

अक्टूबर में गुजरात में होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बनाई जगह

रायपुर, संवाददाता

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। दुर्ग में आयोजित राज्य स्तरीय कूडो प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे खिलाड़ियों ने सात मेडल्स जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। मेडल विजेता ये खिलाड़ी आगामी अक्टूबर माह में गुजरात के सूरत में आयोजित नेशनल और इंटरनेशनल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खिलाड़ियों के कोच ईशान महंत ने बताया कि बलौदाबाजार जिले से आठ खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए जिनमें से सात खिलाड़ी पदक जीतने में कामयाब रहे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिव्या महंत ने 54 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण, तनिष्क ने 35 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण, अतीक्षा महंत ने 21 किलोग्राम वर्ग में रजत, टिकेश्वर पटेल ने 54 किलोग्राम वर्ग में रजत, दामिनी ने 45 किलोग्राम वर्ग में रजत, राहुल पटेल ने 18 किलोग्राम वर्ग में कांस्य और ईशान महंत ने 68 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। कुडो खेल मूलतः जापानी मिश्रित मार्शल आर्ट की श्रेणी में आता है जिसमें पारंपरिक कराटे, जूडो, जुजुत्सु, मय थाई और किकबॉक्सिंग की तकनीकों का एक सुरक्षित, आधुनिक और व्यावहारिक संयोजन किया जाता है। इस खेल में खिलाड़ी डोगी (विशेष वर्दी), हेडगियर, बैंडेज, माउथगार्ड और प्लेक्सीग्लास शील्ड पहनते हैं ताकि चेहरे और मस्तिष्क को गंभीर चोटों से बचाया जा सके। यह खेल हाथ-पैर, सिर और धड़ से हमला करने, शरीर के विभिन्न हिस्सों से विरोधी को टैकल करने और फेंकने (जूडो) या जमीन पर पटकने (कुश्ती) की तकनीकों का मिश्रण है।

राजधानी में झांकी निकली

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

जनसांख्यकीय परिवर्तन सोची-समझी साजिश

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यकीय परिवर्तन सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है, जो देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करता है। उन्होंने सीमाओं से तीस किलोमीटर के दायरे में सभी अतिक्रमण हटाए जाने की बात उठाई। समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर अतिक्रमण हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा भी की। दिल्ली में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीमावर्ती गांवों से पलायन रोकने, वहां के प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं का सौ फीसद लाभ देने और गांवों की सीमा तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने को विकसित करने की चर्चा की। केंद्र सरकार द्वारा फरवरी, 2023 से शुरू की गई इस योजना के तहत उत्तरी सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल और केंद्रशासित लद्दाख के उन्नीस जिलों के 46 प्रखंडों को व्यापक विकास के लिए लिया जा चुका है।

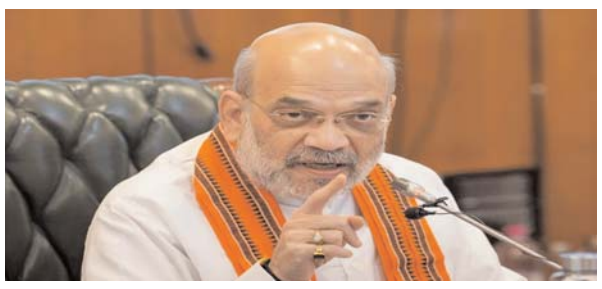

संगठित होना फिर कब सीखेगी काँग्रेस?

ऋतुपर्ण दवे

कांग्रेस में अंर्तकलह है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। बावजूद इसके राहुल गांधी संगठन के लिए रात-दिन एक किए हुए हैं। इससे राहुल की छवि यकीनन बदली है। उन्हें गंभीरता से लिया जाना बताता है कि कांग्रेस के बुरे दिन जरूर हैं लेकिन पार्टी में नया जोश भरने में वो पीछे नहीं है। लेकिन, क्या संगठन में मौजूद तमाम वरिष्ठ और जिम्मेदार भी यह समझेंगे? राहुल पार्टी का सम्मानजनक आधार बनाने और समर्थक दलों से एकजुटता खातिर रात-दिन एक कर रहे हैं। उनकी तमाम यात्राएं या अभी बिहार में सक्रियता सामने है। लेकिन संगठन और कार्यकर्ता इसे क्यों नहीं समझ पा रहे?

अभी मध्यप्रदेश में पांच बरस पहले सत्ता से बेदखल हुई कांग्रेस में संगठन की हुई नई-नई सर्जरी बाद जो घमासान मचा, वह नया नहीं था, अलबत्ता टाइमिंग गलत रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 71 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। 21 को फिर जिम्मेदारी और 50 नए चेहरे लिए। 3 पूर्व मंत्री, 6 मौजूदा और 11 पूर्व विधायक सहित 4 महिलाओं, 12 ओबीसी, 10 एसटी, 8 एससी और तीन अल्पसंख्यकों को जिलों की कमान सौंपी गई। इस पर तर्क-वितर्क, विरोध भी शुरू हो गया। पटवारी ने मान-मनव्वल किया। सोशल मीडिया पर लिखा कि सबके सर्वश्रेष्ठ योगदान से ही सशक्त संगठन मप्र कांग्रेस की पहचान बनेगा। वंचित रहे साथियों को जल्द नई जिम्मेदारी मिलेगी। वहीं बिना देरी सभी नव नियुक्त गुरुमंत्र देने के नाम पर दिल्ली तलब किए गए। कैडर प्रबंधन के टिप्स 9-ए, कोटला रोड स्थित नए कांग्रेस दफ्तर में दिए गए। राहुल लगभग एक घण्टा बोले और साफकर दिया कि अगले 6 महीनों तक तक कोई नहीं बदलेगा। सबका काम देखेंगे।

नव नियुक्त दिल्ली से लौटे नहीं कि मध्यप्रदेश के दो दिग्गजों की सोशल मीडिया जंग ने नया रंग ले लिया। पुराने जख्म कुरेदे जाने लगे। मार्च-2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में जाने से मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार गिरी थी। जबकि 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल की हर रैली के दाएं-बाएं कमलनाथ और सिंधिया ही दिखते थे। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि सिंधिया को लगता था कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे हैं। इसी नाराजगी से कांग्रेसी विधायकों को तोड़ सरकार गिरा दी गई। वहीं दिग्विजय सिंह, कमलनाथ-सिंधिया के बीच ग्वालियर-चंबल मुद्दों पर सहमति न बन पाना सरकार गिरने की वजह बताते हैं। सच जो भी हो वही जानें। लेकिन संदेश अच्छा नहीं गया। उधर 2020 और उसके बाद कांग्रेस सरकार गिरने के बाद हुए कई स्थानीय निकायों या ऐसे दूसरे चुनावों में साफ बहुमत के बावजूद कांग्रेस को जगह-जगह क्यों शिकस्त मिली? इसका जवाब न तो किसी कांग्रेसी के था न ही वो फॉर्मूला जिसने जीतकर भी बैकफुट पर पहुंचाये। समझकर, जानकर भी ऐसे जनप्रतिनिधि ढ़ोना मजबूरी बनीं। हालाकि कई मौका देखते ही पार्टी से दगा कर गए। आलाकमान की इस पर चिंता जरूर समझ आती है।

इंदिरा जी के कार्यकाल में और उनके बाद भी बगावत दिखती थी। लेकिन हर बार पार्टी बिखरती, उबरती, टूटती और फिर जुटती-जुड़ती रही। लेकिन ये क्या, 2014 के बाद संगठन में बिखराव और दिग्गजों का जो रूठना-टूटना शुरू हुआ, रुक नहीं रहा है। लगता नहीं कि संगठन में अनुशासन की पाठशाला के जो शिक्षक हैं वो या तो ट्रेन्ड नहीं है या वक्त बिता रहे हैं? सोचिए भला उस प्रदेश में जिसके लिए चंद घण्टे पहले अनुशासन की इबारत और संगठन की लंबी क्लास चली, वहीं पलक झपकते दिग्गज ही सब कुछ भुला दें? एक ही पार्टी के दो पूर्व मुख्यमंत्री बाहें चढ़ा मैदान में वाकयुध्द की तलवार भांजते नजर आएं! हिमाचल और कर्नाटक में भी जो खींचतान और तल्खी दिखती है वह जगजाहिर है। अन्य प्रदेशों में भी संगठन का कमोवेश यही हाल है।

पार्टी शुध्दिकरण की नीयत से राहुल का वो बयान काबिल-ए-तारीफहै जिसमें उन्होंने रेस के घोड़ों को बारात में और बारात के घोड़ों को रेस में दौड़ाने जैसी बात कहकर संगठन पर ही उंगली उठा बड़े बदलाव का संकेत दिया था। संगठन के शुध्दिकरण खातिर संदिग्धों की बर्खास्तगी की चेतावनी के भी मायने गहरे हैं। इस बीच कई राज्यों से ऐसे उदाहरण आए जहां स्थानीय निकायों में कांग्रेस ने बहुत बेहतर किया। ज्यादा पार्षद जीते फिर भी अध्यक्ष या मेयर बनाने में कांग्रेस गच्चा खा गई। कांग्रेस के चिन्ह पर चुनाव जीतकर भाजपा में शामिल होने वाले मौकापरस्तों की फेहरिस्त भी बढ़ती चली गई। दलबदल का ट्रेन्ड और भाजपा के खुले दरवाजे की चोट सबसे ज्यादा कांग्रेस को मिली है। राहुल ने शायद यही सब देखा, समझा और कहना चाहा हो?

लेकिन, जिस तरह राहुल चुनावी राज्यों में भाजपा पर आक्रामक दिखते हैं, अपनी बात कहते हैं उससे माहौल बनता तो दिखता है। लेकिन जब नतीजे आते हैं तो कांग्रेस पहले से भी बुरी स्थिति में पहुंच जाती है। शायद राहुल भितरघातियों की करतूतें समझते हों? महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली विधानसभा के नतीजों के बाद जबरदस्त बैकफुट पर होने के बावजूद पहले गुजरात दौरा और अब बिहार में पसीना बहाना बताता है कि वो पार्टी की मजबूती खातिर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। राहुल की सक्रियता से तमाम तुरुपों, दिग्गजों की बेचैनी भी झलकती है। चाहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का समय हो या हालिया कुंभ स्नान या फिर थोड़ा पहले अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर कई कांग्रेसियों के अलग-अलग और तर्क-वितर्क से भरे बयानों ने संगठन खातिर कैसा काम किया, सबके सामने है।

जहां भाजपा खुलकर सनातन की बात कर खुद को दिनों दिन मजबूत करती जा रही है वहीं कांग्रेस में सनातन और धर्म पर विवादास्पद बयानबाजी करते नेता खुद ही संगठन के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। अभी मध्यप्रदेश में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार का बयान पूरे देश में चर्चाओं में है जिसमें वो कहते हैं 'गर्व से कहो हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं,...वो शबरी आदिवासी ही थी जिसने भगवान राम को जूठे बेर खिलाए।' जबकि मध्यप्रदेश क्या देश में तमाम ऐसे तीज-त्योहार हैं जो आदिवासियों के चलते ही विशेष पहचान रखते हैं। दशहरा, होली(फागुआ) जैसे कई त्योहार इसकी मिशाल हैं। हां, परंपरा के नाम पर हर जातियों की अपनी अलग पूजा पध्दति तो पुरातन से है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि वो गैर हिन्दू हैं?

वास्तव में एक मजबूत विपक्ष, सशक्त देश की जरूरत है। भले ही विपक्ष, सत्ता में जल्द आए, न आए कम से कम खुद तो एक जुट रहे और सहयोगियों से भी यही उम्मीद करे। क्या कांग्रेस अपने पुराने दौर और ठौर में पहुंच पाएगी या फिर राहुल की बेबाकी और भारी पड़ेगी? फिलाहाल देखना होगा कि दशकों से उन्हीं घोड़ों को जोत रेस में दौड़ती कांग्रेस नए घोड़ों से अदला-बदली कर हॉर्स पॉवर का सही मैनेजमेण्ट कर सकेगी? बड़बोले नेताओं के बेतुके जुबानी तीर कब तक निकलते रहेंगे। क्या अवसरवादियों, भितरघातियों को बाहर का रास्ता कभी दिखाएगा जाएगा या फिर वही काम निकालो और निकल लो की तर्ज पर भितरघातिए मनमानी करते रहेंगे?

जो है, जैसा है कब तक चलता रहेगा? शायद बरसों-बरस से एक ही चेहरा देख रहे लोग कांग्रेस से मुंह मोड़ रहे हैं, नए लोग खासकर युवा पीढ़ी इसीलिए नहीं जुड़ पा रही है। कांग्रेस के तमाम सह-संगठन भी कागजी होकर रह गए हैं। काश, कांग्रेस और कांग्रेसी भी समूचे देश के संदर्भ में समझ पाते कि ÷समय-समय में होत है, समय-समय की बात, एक समय में दिन बड़ा एक समय में रात।÷

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)
यह निजी विचार है।

ट्रंप का अमेरिका कहीं विश्व में अलग थलग न पड़ जाए

अजय दीक्षित

आज चाइना के 70वे विक्ट्री डे परेड के मौक पर बीजिंग से एक संदेश निकला है कि विश्व में अब अमेरिका की एक तरह से दादागिरी नहीं चलेगी।इस मौके पर रूस के राष्ट्रपति वालीडमार पुतिन, नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति किंग जोंग , चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग, फिनलैंड और तमाम यूरोपीय देशों के 26 शासनाध्यक्ष मौजूद थे।इस दौरान चाइना ने अपनी सैन्य ताकत का भी प्रदर्शन किया।चाइना ने विक्ट्री डे के ठीक दो दिन पहले शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी कूटनीतिक स्तर पर आयोजित की थी जिससे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप,को बुलाया नहीं गया था। दूसरी ओर डॉनल्ड ट्रंप ने आज कहा है कि बीजिंग में पुतिन,सी जिंग पिंग, और किंग जोंग अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।एक ओर महत्वपूर्ण बयान फ्रांस के राष्ट्रपति ने पेरिस से दिया कि भारत को टैरिफ के नाम पर प्रताड़ित करना अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए ठीक नहीं है।इससे नाटो देशों की भावना कमजोर होगी।

ऐसा लगता है कि चाइना के राष्ट्रपति सी जिंग पिंग इस समय का इंतजार कर रहे थे कि कब भारत अमेरिका से अलग रास्ते पर चल पड़े। दरअसल इस समय रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी दुनिया दो फाड़ हो गई है।1990 में सोवियत संघ के विघटन के बाद पहला मौका है जब अमेरिका जो चाहता वह हो नहीं पाया है।रूस ने युद्ध बंद करने से मना कर दिया और अब वह पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की जुगाड में है।

रूस पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने इस लिए भारत पर पच्चीस फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया कि भारत रूस से सस्ती दरों पर काफी क्रूड ऑयल खरीद रहा है और रूस की अर्थ व्यवस्था को

मजबूत करने का काम कर रहा है जबकि चीन भी ऐसा ही कर रहा है।

दूसरी ओर अमेरिका चाहता है कि भारत पुतिन से रक्षा समझौता ब उपकरण हेलीकॉप्टर मिसाइल ड्रोन राइफल फाइटर जेट्स,कम मात्र में खरीदे बल्कि अमेरिका से डील करे ।

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप के कारनामे के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरा भी रद्द कर दिया है और डोनॉल्ड ट्रंप भी भारत नहीं आ रहे हैं।

चाइना अब उस स्थिति में आ गया है कि वह विश्व लीडर बन सके।उसका वित्तीय विकास बहुत ही अच्छा है। दूसरे पायदान की अर्थव्यवस्था है ।अब वह भी गोलबंदी में लगा है

भारत ही उसकी कमजोर कड़ी थी क्योंकि भारत भी रिकॉर्ड 7 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट से बढ़ रहा है।वह भी विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक व्यवस्था है।हो सकता एक दशक में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

ट्रंप ने चाइना को यह अवसर दिया है कि वह भारत के साथ काम करे । इस समय यूरोपीय देशों में फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड इंग्लैंड, अमेरिका की नीतियों से सन्तुष्ट नहीं है क्योंकि युक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को रूस तब्बजो नहीं दे रहा है।

डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल ही में एक ऐसा आदेश दिया है, जो न केवल हरियाणा-पंजाब बल्कि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गहरी छाप छोड़ेगा।

अदालत ने स्पष्ट कहा कि डॉक्टरों को अब मरीजों की पर्ची साफ लिखनी होगी। बेहतर होगा कि डॉक्टर अपनी लिखावट कैपिटल लेटर्स में करें या फिर टाइप/डिजिटल रूप में पर्ची दें। यह फैसला सिर्फ लिखावट की औपचारिकता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे मरीज की सुरक्षा और जीवन के अधिकार (अनुच्छेद 21) से जुड़ा हुआ है।

भारत में अक्सर यह शिकायत सुनने को मिलती रही है कि डॉक्टरों की लिखावट इतनी उलझी होती है कि फार्मासिस्ट या मरीज को समझ ही नहीं आता कि कौन-सी दवा, कितनी मात्रा में और कितने समय तक लेनी है। ऐसे में गलत दवा या गलत खुराक से मरीज की हालत बिगड़ जाना आम बात है। कई बार तो यह लापरवाही मौत तक का कारण बन चुकी है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों में भी प्रिस्क्रिप्शन का यह संकट मौजूद है। लिहाजा हाईकोर्ट का हस्तक्षेप एक जीवन रक्षक पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। यह विषय केवल चिकित्सकीय नहीं बल्कि सामाजिक भी है।

ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में अक्सर मरीज कम पढ़े-लिखे होते हैं। जब वे डॉक्टर की पर्ची लेकर दवा की दुकान पर पहुंचते हैं तो उनकी समझ से बाहर होता है कि कौन-सी दवा कितनी बार लेनी है। कई बार दवा विक्रेता भी लिखावट को गलत समझ लेता है। इससे मरीज गलत समय पर दवा खा लेता है, डोज बिगड़ जाती है और बीमारी बढ़ जाती है। यह समस्या गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्ग मरीजों में और भी गंभीर हो जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अदालत ने सही कहा कि मरीज को अपनी बीमारी और इलाज की जानकारी मिलना उसका मौलिक अधिकार है।

यदि प्रिस्क्रिप्शन ही अस्पष्ट और अधूरी जानकारी वाला हो तो यह अधिकार स्वत- ही बाधित होता है। इस संदर्भ में यह आदेश केवल चिकित्सा पद्धति के तकनीकी सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी कहा कि जब तक देशभर में ई-प्रिस्क्रिप्शन (कंप्यूटर से बनी पर्ची) की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं हो जाती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल लेटर्स में लिखें। यह सुझाव व्यावहारिक भी है और भविष्य की दिशा भी तय करता है। डिजिटल हेल्थ रिकार्ड और ई-प्रिस्क्रिप्शन के कई लाभ हैं मरीज का पूरा मेडिकल इतिहास सुरक्षित रहता है, फार्मासिस्ट को गलतफहमी की गुंजाइश नहीं रहती, दवा कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस तक पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और मरीज चाहे गांव का हो या महानगर का, उसे स्पष्ट जानकारी मिलती है।

हाईकोर्ट ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भी निर्देश दिया है कि मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ-सुथरी लिखावट और स्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन की ट्रेनिंग दी जाए। यदि मेडिकल शिक्षा के शुरुआती दौर से ही छात्रों को साफ लिखने और स्पष्ट पर्चा देने की आदत डाल दी जाए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या स्वत- ही खत्म हो सकती है। यह सुधार मेडिकल एथिक्स का हिस्सा बनना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी नीति बनाने का निर्देश दिया है। इस नीति के तहत छोटे क्लिनिक और ग्रामीण डॉक्टरों को कंप्यूटर आधारित प्रिस्क्रिप्शन सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है। जिला स्तर पर सिविल सर्जन की निगरानी में जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जाए और स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करे कि डॉक्टर पर्चे पढ़ने योग्य लिख रहे हैं।

देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी

डॉ. शालिग्राम सिंह

दुनिया भर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण व्यापार शुल्क को लेकर जो भीषण रार मची है, उसने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा और मंजिल, दोनों को लेकर कई तरह के विमर्श और संकटों को सामने ला दिया है।

ये सारी बातें भविष्य की दुश्वारियों से तो जुड़ी हैं ही, इनसे अतीत के अनुभवों को लेकर भी कई बातें साफ हुई हैं। बात अकेले भारत की करें तो हमारे यहां खास तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उदारीकरण के दौर में जिस तरह की नीतिगत समझ बननी चाहिए थी, वैसी बनी नहीं। इस कारण लंबे समय तक देश की अर्थव्यस्था की रीढ़ रहा यह क्षेत्र गंभीर उपेक्षाओं का शिकार हुआ। आज जब नौकरी-रोजगार की समस्या पर प्राथमिकता के साथ विचार करने की दरकार फिर से मजबूत हुई है, तो देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी को सुधारने की बात नये सिरे से रेखांकित हो रही है।

गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत की 68.85 फीसद आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है। अलबत्ता, शहरीकरण के बढ़े जोर के बावजूद नीति आयोग का अनुमान है कि 2045 में भी यह आंकड़ा 50 फीसद से ऊपर ही रहेगा। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2023-24 में बताया गया है कि ग्रामीण रोजगार मुख्य रूप से 53.5 फीसद स्वरोजगार और 25.6 फीसद आकस्मिक श्रम पर टिका है। ग्रामीण श्रमिकों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा (58.4त्न) कृषि में लगा हुआ है, जो आम तौर पर मौसमी रोजगार ही प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वेतनभोगी नौकरियां कुल कार्यबल का महज 12 फीसद है।

ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का सबसे बड़ा आधार वहां के लोगों के आय विकल्पों में सुधार है। अच्छी बात यह है कि इस दिशा में देश काफी आगे बढ़ा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार का 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने का तथ्य तो संयुक्त राष्ट्र तक में गूंज चुका है। इस आंकड़े का सबसे चमकदार पक्ष बिहार और यूपी जैसे वे राज्य हैं, जहां की आबादी का बड़ा हिस्सा गांव-कस्बों में रहता है। ये वही राज्य हैं जो बीमारू के नाम पर लंबे दौर तक गांवों के पिछड़ेपन के कारण कोसे जाते रहे हैं। बीते दशक में गरीबी उन्मूलन इन्हीं सूबों में सर्वाधिक हुआ है।

देश के ग्रामीण अंचल में आर्थिक सुधार और जागरूकता की एक बड़ी शुरु आत 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना से हुई। इसके तहत अब तक देश में कुल 55.44 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 56 फीसद खाते महिलाओं के हैं। 21 मई, 2025 तक इन खातों में कुल जमा राशि 2.5 लाख करोड़ रु पये से अधिक हो चुकी है। वित्तीय समावेशन की इस बड़ी पहल का नतीजा है कि खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में बचत और बीमा को लेकर तो जागरूकता आई ही है, वे वित्तीय लाभ के दूसरे विकल्पों को भी गंभीरता से आजमाने लगे हैं।

इन विकल्पों में सबसे दिलचस्प है शेयर बाजार की ओर उन्मुखता। कोरोना महामारी से पहले डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों की संख्या पांच करोड़ थी, जो अब लगभग 13 करोड़ पर पहुंच चुकी है। बेशक, इसमें बड़ी भागीदारी शहरी खाताधारकों की है, लेकिन माना जा रहा है कि बाजार का आकार इस ओर बढ़ रहे ग्रामीणों के रुझान को इंगित करता है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए सक्षम और समृद्ध गांव जरूरी है। इस

दिशा में अपने प्रयास को बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब डाकघरों के जरिए भी म्यूचुअल फंड खरीदे जा सकेंगे। इसके लिए डाक विभाग और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के बीच एक समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है, जो 21 अगस्त, 2028 तक लागू रहेगा। आगे स्थिति की समीक्षा के साथ इसका नवीकरण होता रहेगा। इससे खास तौर पर देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग म्यूचुअल फंड के इकोसिस्टम से जुड़ सकेंगे।

समझौते के तहत डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड वितरकों के रूप में कार्य करेंगे। सरकार का यह कदम अपनी रूपरेखा और संकल्पना में कितना सुविचारित और विस्तृत है, यह इस बात से समझा जा सकता है कि पंचायतीराज मंत्रालय ने ग्रामीणों को सुरक्षित और लाभकारी निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए सेबी के साथ अभियान की चरणवार रूपरेखा बनाई है। अभियान के तहत सबसे पहले छह राज्यों में 3,874 मास्टर ट्रेनर का एक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। पायलट राज्यों और मास्टर ट्रेनर नेटवर्क से शुरू होकर यह कार्यक्रम धीरे-धीरे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक पहुंचाने की योजना है। दिलचस्प है कि इस दौरान देश में स्टॉक और फंड मार्केट में हिस्सेदारी को लेकर नया रु झान सामने आया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पांच वर्षों में डीमैट खाताधारकों की संख्या के अध्ययन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा 186 लाख इक्विटी निवेशक महाराष्ट्र में हैं, जबकि दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां 130 करोड़ ऐसे निवेशक हैं, जो इक्विटी में पैसा लगाते हैं। वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में 2025 में महाराष्ट्र ने 212.4 फीसद वृद्धि दर्ज कराई है, वहीं उत्तर प्रदेश ने 470.5 फीसद की छलांग लगाई है।

वैसे जिस सूबे ने अपने प्रदर्शन से सबको चौंकाया है, वह है बिहार। वहां वित्तीय वर्ष 2020 में महज सात लाख बाजार निवेशक थे पर अब यह आंकड़ा 52 लाख को पार कर गया है यानी 678.8 फीसद की उच्चतम वृद्धि। बिहार में इस बदलाव के नायक निस्संदेह नीतीश कुमार हैं। दिलचस्प है कि इस परिवर्तन का एक बड़ा पक्ष महिलाओं से जुड़ा है। आज की तारीख में बिहार में 6,389 जीविका बैंक सखियां ग्रामीणों को बैंक से जुड़े कार्य उनके द्वार पर ही उपलब्ध करा रही हैं। अब जब डाकघर के जरिए तमाम बचत और बीमा सुविधाओं के साथ म्यूचुअल फंड की बिक्री शुरू होगी तो निश्चित रूप से वित्तीय समावेशन का नया दौर शुरू होगा। यह दौर देश के आर्थिक स्वावलंबन को तो मजबूती देगा ही इससे ओडिशा, झारखंड और बिहार जैसे पिछड़े सूबों के ग्रामीण अंचल में भी समृद्धि और खुशहाली बढ़ेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और शिक्षाविद् हैं, लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

भारतीय सशस्त्र बलों की टुकड़ी रूस में बहुपक्षीय अभ्यास जेडएपीएडी 2025 के लिए

पीआईबी

भारतीय सशस्त्र बलों का 65 कार्मिकों वाला एक दल आज बहुपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास जापाड 2025 (जेडएपीएडी2025) में भाग लेने के लिए मुलिनो प्रशिक्षण मैदान, निज़नी, रूस के लिए रवाना हुआ। यह अभ्यास 10 से 16 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

इस सैन्य टुकड़ी में भारतीय सेना के 57 जवान, भारतीय वायु सेना के 7 जवान और भारतीय नौसेना का 1 जवान शामिल है। भारतीय सेना की इस टुकड़ी का नेतृत्व कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन और अन्य सेनाओं के जवान कर रहे हैं।

बहुपक्षीय अभ्यास जापाड 2025 का उद्देश्य सैन्य सहयोग को बढ़ाना, अंतर-संचालन में सुधार करना तथा भाग लेने वाली सेनाओं को पारंपरिक युद्ध और आतंकवाद-रोधी अभियानों के क्षेत्र में रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

यह अभ्यास खुले और समतल भूभाग में संयुक्त कंपनी स्तर के अभियानों पर केंद्रित होगा। यहां सैनिक संयुक्त योजना, सामरिक अभ्यास और विशेष शस्त्र कौशल जैसे विभिन्न अभियानों को अंजाम देंगे। यह संयुक्त परिचालन क्षमताओं को निखारने, उभरती तकनीकों को एकीकृत करने और बहुराष्ट्रीय युद्ध वातावरण में संचालन करने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करेगा।

अभ्यास जापाड 2025 में भागीदारी से रक्षा सहयोग और मजबूत होगा तथा भारत और रूस के बीच सौहार्द बढ़ेगा। इससे दोनों देशों के बीच सहयोग और आपसी विश्वास की भावना मजबूत होगी।

उड़ीसा के वरिष्ठ नेता राजू भाई ढोलकिया के निधन से पूरे अंचल में शोक की छाया

लोकशक्ति

केसिंगा उड़ीसा के वरिष्ठ नेता श्री राजू भाई ढोलकिया जी का निधन से पूरे जैन समाज एवं सभी जाती धर्म के लोगों को अपूर्ण क्षति पहुंचा है। श्री ढोलकिया जी का राजनीतिक जीवन एक समाज सेवा के तौर पर जाना जाता था। उनका जीवन एक सादगी जीवन के तौर पर एवं गरीबों और दुखियों का सेवा करना उनका मुख्य उद्देश्य था। वह जब से राजनीतिक में आए हैं तब से वह बीजू पटनायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से लेकर के सभी पार्टियों के नेताओं के साथ उनका गहरा संबंध था। वह पहले नगर पालिका के तौर पर निर्दलीय प्रार्थी में विजय लाभ करके सभी पार्टियों को चकित कर दिया था। वह कई बार विधायक एवं मंत्री रह चुके हैं। उनका निधन का समाचार मिलते ही पूरे उड़ीसा के जैन समाज में शोक की छाया खिल गई है। उनका निधन से उड़ीसा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह जी ने अपने शोक वार्ता में कहा कि राजू भाई से मेरा पारिवारिक एवं राजनीतिक संबंध अति घनिष्ठता के साथ रह चुका है ।वह जब भी विधानसभा में हो या बाहर हो उनका व्यावहारिक जीवन बहुत निर्मलता एवं सादगी था।उनके साथ कई बार विधायक रहने का मौका हमें मिला है। वह जब से राजनीतिक में अपना जीवन की शुरुआत करें हैं तब से उनके साथ मेरा पारिवारिक संबंध रहा है ।मैं उनके निधन से उनके परिवार जनों को ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस संकट की घड़ी में उन्हें शक्ति प्रदान करें ।एवं भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। इस दुखद समाचार मिलते हैं उड़ीसा के पूर्व गृहमंत्री कैप्टन दिव्या शंकर मिश्रा ने कहा कि उनका निधन से बीजू जनता दल को काफी क्षति पहुंचा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनके परिवार वर्ग को भगवान शक्ति दे। एवं उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें। इस संकट की घड़ी में उड़ीसा प्रदेश के कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष श्री भक्त चरण दास ने कहा कि उनका निधन का समाचार मिलने से मैं काफी मरमाहाथ हूं। भगवान उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें। इस दुखद समाचार से केसिंगा के वरिष्ठ समाज सेवी भाई बसंन्त लाल जैन, श्यामलाल जैन, विनोद जैन, सुंदरलाल जैन, रामकुमार जैन, पप्पन जैन,आदि सभी ने गहरी संवेदना प्रकट की है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर नई दिल्ली में आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स के साथ बैठक के दौरान।

भू-जल स्तर बचाने, डबरी निर्माण के लिए किसानों को करें प्रोत्साहित - श्री डेका

रायपुर, संवाददाता

/राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज जल संसाधन एवं कृषि विभाग के सचिव की बैठक लेकर राज्य में घटते भू-जल स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों को खेतों में डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि वर्षा का जल संचयन ही भविष्य की कृषि और जल संकट का समाधान है। उन्होंने कहा कि किसानों को विभिन्न योजनाओं में अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। उन्हें अपने खाली पड़े जमीनों पर डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने से भूजल स्तर बढ़ेगा। राज्यपाल ने जल संसाधन और कृषि विभाग को मिलकर ठोस कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि यह पहल न केवल किसानों की सिंचाई की समस्या को हल करेगी बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण का मजबूत आधार भी बनेगी। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो और कृषि विभाग की सचिव सुश्री शहला निगार उपस्थित रहे।

विश्व स्तरीय परीक्षण और प्रमाणन के माध्यम से ईवी विश्वास को बढ़ावा देना

पीआईबी

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी सतत गतिशीलता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के भारत के मिशन के अनुरूप 10 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कोलकाता की अलीपुर क्षेत्रीय प्रयोगशाला में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा का उद्घाटन करेंगे। उन्नत बुनियादी ढांचे से सुसज्जित, यह प्रयोगशाला ईवी बैटरियों और उनके पुर्जों पर महत्वपूर्ण परीक्षण करेगी, जिनमें विद्युत सुरक्षा, एफ्सीसी/आईएसईडी अनुपालन, कार्यात्मक सुरक्षा, स्थायित्व, जलवायु परीक्षण (आईपी, यूवी, संक्षारण), और यांत्रिक एवं भौतिक सुरक्षा (ज्वलनशीलता, ग्लो वायर, आदि) शामिल हैं। यह सुविधा विशेष रूप से पूर्वी भारत में ईवी बैटरी निर्माताओं को विश्वसनीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परीक्षण और प्रमाणन प्रदान करेगी, जिससे उत्पाद सुरक्षा, प्रदर्शन और नियामक अनुपालन सुनिश्चित होगा। यह सुविधा इलेक्ट्रिक वाहनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय मानक के रूप में कार्य करेगी, जिससे निर्माताओं को शीघ्र त्रुटि पहचान, उत्पाद विश्वसनीयता में वृद्धि और कड़े सुरक्षा एवं प्रदर्शन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

सिंधिया ने ग्लोबल पोस्टल समिट में दो प्रमुख यूपीयू परिषदों के लिए भारत की दावेदारी की घोषणा की

पीआईबी

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज दुबई में 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में यूपीआई-यूपीयू एकीकरण परियोजना का अनावरण किया। यह दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए सीमा पार प्रेषण में बदलाव लाने के लिए एक ऐतिहासिक पहल है।

श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए डाक विभाग (डीओपी), एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) द्वारा विकसित यह पहल भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) को यूपीयू इंटरकनेक्शन प्लेटफ़ॉर्म (आईपी) के साथ एकीकृत करती है। इससे डाक

नेटवर्क की पहुंच यूपीआई की गति और सामर्थ्य के साथ जुड़ जाती है।

श्री सिंधिया ने इसे ÷एक तकनीकी लॉन्च से कहीं बढ़कर, एक सामाजिक समझौता÷ बताया। उन?होंने कहा, ÷डाक नेटवर्क की विश्वसनीयता और यूपीआई की गति का मतलब है कि सीमा पार के परिवार तेज़ी से, सुरक्षित और बहुत कम लागत पर पैसा भेज सकते हैं। यह इस बात की पुष्टि करता है कि नागरिकों के लिए बनाए गए सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को सीमाओं के पार जोड़कर मानवता की बेहतर सेवा की जा सकती है।÷

उन्होंने एक आधुनिक, समावेशी डाक क्षेत्र के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। यह चार पहलुओं 1. निर्बाध डेटा-संचालित लॉजिस्टिक्स के माध्यम से जुड़ना; 2. प्रत्येक प्रवासी और डिजिटल उद्यम को सस्ती डिजिटल वित्तीय सेवाएं प्रदान करना; 3. एआई, डिजीपिन और मशीन लर्निंग के साथ आधुनिकीकरण करना; और 4. यूपीयू समर्थित तकनीकी सेल के साथ दक्षिण-दक्षिण साझेदारी के माध्यम से सहयोग करना पर आधारित है।

प्रधानमंत्री श्री नरे?द्र मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न और विकसित भारत की दिशा में काम कर रहा भारतीय डाक अपने व्यापक दायरे और समावेशन का एक सशक्त उदाहरण है। श्री सिंधिया ने कहा, ÷आधार, जनधन और भारतीय डाक भुगतान बैंक के साथ, हमने 56 करोड़ से ज़्यादा खाते खोले हैं, जिनमें से ज़्यादातर महिलाओं के नाम पर हैं। भारतीय डाक ने पिछले साल 90 करोड़ से ज़्यादा पत्र और पार्सल पहुंचाए। यह समावेशन का वह व्यापक दायरा और भावना है जिसे हम वैश्विक मंच पर लाते हैं।÷

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के महानिदेशक श्री मासाहिको मेटोकी के साथ श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया

श्री सिंधिया ने इस चक्र के दौरान ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान पर विशेष ध्यान देते हुए प्रौद्योगिकी को नवाचार में बदलने के लिए 10 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के आदर्श वाक्य को आगे बढ़ते हुए उन्होंने दोहराया कि भारत संसाधनों, विशेषज्ञता और मैत्री के साथ कैसे तैयार है।

नई जीएसटी दरें : कृषि क्षेत्र और किसानों की समृद्धि के लिए वरदान

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा; जीएसटी रिफॉर्म के लिए देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री के प्रति आभारी

कृषि क्षेत्र में विकास के नए अध्याय जुड़ेंगे, हर क्षेत्र में दिखेंगे लाभकारी परिणाम- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

पीआईबी। नई जीएसटी दरें कृषि और डेयरी क्षेत्र बड़े बदलाव का संकेत है। जीएसटी दरों में कटौती से देशभर के किसान, कृषि व डेयरी क्षेत्र के कामगार, पशुपालक बेहद प्रसन्न हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी नई दरों को क्रांतिकारी फैसला बताते हुए ऐतिहासिक बदलाव की उम्मीद जताई है।

जीएसटी रिफॉर्म का प्रभाव छोटे और मंझौले किसानों के बीच व्यापक रूप से देखा जा सकेगा। कृषि उपकरणों, सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों पर जीएसटी दरें कम होने के कारण कृषि की लागत घटेगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। जैव-कीटनाशक और सूक्ष्म-पोषक तत्वों पर जीएसटी घटाई गई है, जिससे किसानों को लाभ होगा। साथ ही रासायनिक उर्वरकों से जैव उर्वरकों की तरफ किसानों की प्रवृति निश्चित रूप से बढ़ेगी। डेयरी क्षेत्र में अब दूध और पनीर पर कोई जीएसटी नहीं होगी। इससे आम आदमी को तो लाभ होगा ही, साथ ही किसानों, पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को भी फायदा होगा। जीएसटी रिफॉर्म एकीकृत कृषि को भी बढ़ावा देगा। पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, कृषि वानिकी, पॉल्ट्री फार्म में भी जीएसटी छूट का लाभ स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। केंदू के पत्ते पर जीएसटी कम होने से जनजातीय समुदाय की आजीविका को मजबूती मिलेगी और वाणिज्यिक माल वाहन पर जीएसटी घटने से कृषि वस्तुओं की ढुलाई सस्ती होगी।र खाद्य प्रसंस्करण

जलीय कृषि - 'तैयार या संरक्षित मछली' पर जीएसटी 12% से घटकर 5% हो जाएगी। कर में कटौती से देशभर में जलीय कृषि और विशेष रूप से मछली पालन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शहद पर जीएसटी - प्राकृतिक शहद पर जीएसटी कम होगी। यह प्राकृतिक शहद के प्रमुख उत्पादक यानी मधुमक्खी पालकों, आदिवासी समुदायों और ग्रामीण एसएचजी को लाभान्वित करेगा।

कृत्रिम शहद पर जीएसटी, चाहे प्राकृतिक शहद के साथ मिलाया गया हो या नहीं, 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है

सौर ऊर्जा आधारित उपकरण पर जीएसटी

सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों पर जीएसटी 12% से घटकर 5% हो जाएगी।

सस्ते सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों से सिंचाई लागत कम होगी जिससे किसानों को मदद मिलेगी।

केंदू के पत्ते पर जीएसटी कटौती

केंदू के पत्ते पर अब जीएसटी 18% की जगह 5% ही होगी।

केंदू के पत्ते लघु वनोत्पाद हैं जो ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के किसानों और आदिवासियों के लिए आय का एक प्रमुख स्रोत हैं। इन राज्यों की आजीविका आंशिक रूप से इन पत्तियों की कीमतों पर निर्भर करती है। जीएसटी की दर में कमी से इन क्षेत्रों के आदिवासियों और किसानों को सहायता मिलेगी।

कृषि में जीएसटी का युक्तिकरण किसान हितैषी, ग्रामीण समर्थक और सतत विकास के लिए एक सुधार है, इससे किसानों की लागत कम होगी। सहकारी समितियों और एफ्पीओ को बढ़ावा मिलेगा और खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी। कृषि को यह बढ़ावा बहुस्तरीय स्तर पर, साथ ही इससे जुड़ी सभी गतिविधियों को भी मिलेगा। उर्वरक की लागत कम होने से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी, कोल्ड स्टोरेज और कृषि प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा और खेती में मशीनीकरण भी बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, जलीय कृषि, डेयरी फार्मिंग और इससे जुड़ी सहकारी समितियों के लिए भी लाभदायक होगा। उपरोक्त का अनुवर्ती प्रभाव हमें आयातित खाद्य उत्पादों और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा। आत्मनिर्भर बनने के लिए हमारा घरेलू खाद्य उत्पादन खाद्य पदार्थों के आयात की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी होगा।

त्योहारों से पहले खुशखबरी, इस कंपनी की गाड़ियां 2.4 लाख रुपए हुई सस्ती, जानिए कितना होगा फायदा

संवाददाता। हुंडई मोटर इंडिया ने रविवार को वस्तु एंव सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती को ग्राहकों को ट्रांसफर करने का ऐलान किया। इससे गाड़ियों की कीमत 2.4 लाख रुपए तक कम हो गई है। नई कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी, जब नई जीएसटी की दरें पूरे देश में लागू होंगी। कंपनी के फैसले से ग्रैंड आई10 निओस की कीमत 73,808 रुपए तक, आई 20 की कीमत 98,053 रुपए तक और आई20 एन लाइन की कीमत 1,08,116 रुपए तक कम हो जाएगी। ऑरा और वरना की कीमतों में क्रमशः 78,465 रुपए और 60,640 रुपए तक की कमी आएगी। एसयूवी सेगमेंट में एक्सटर की कीमत में 89,209 रुपए तक की कमी आएगी। वेन्यू और वेन्यू एन लाइन की कीमतों में क्रमशः 1,19,390 रुपए और 1,23,659 रुपए तक की कटौती होगी।

इसके अलावा कंपनी ने अपनी लग्जरी एसयूवी ट्यूसॉन की कीमत को 2,40,303 रुपए तक कम कर दिया है। इससे पहले टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा और रिनॉल्ट जैसी ऑटोमोबाइल कंपनियां भी जीएसटी के चलते कीमतों में कटौती का ऐलान कर चुकी हैं। सरकार की ओर से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का ऐलान किया गया है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन के तैयारी की समीक्षा की कलेक्टर महोबे ने

18 व 19 सितम्बर को विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन की तैयारी के संबंध में बैठक ली। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह दो दिवसीय 18 एवं 19 सितम्बर 2025 तक शहीद स्मारक परिसर कचहरी चौक जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के गरिमामय आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। समारोह में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीद परिवारों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिभा सम्मान, विधिक संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, विभागीय प्रदर्शनी जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, जैविक खेती और फसल चक्र से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी देंगे।

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह में स्थानीय कलाकारों से आवेदन आमंत्रित

12 सितम्बर तक कर सकते है आवेदन

जांजगीर-चांपा बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह दो दिवसीय आयोजन 18 एवं 19 सितम्बर 2025 तक शहीद स्मारक परिसर कचहरी चौक जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में किया जायेगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय कलाकारों से प्रस्तुति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन कार्यालयीन दिवस में जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा जांजगीर-चांपा, ग्राम पंचायत जर्वे (च) आरटीओ ऑफिस के सामने में 12 सितम्बर 2025 शाम 5 बजे तक जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ कलाकारों को अपनी प्रस्तुति का संक्षिप्त विवरण एवं आवश्यक विवरण उपलब्ध कराना होगा। चयनित कलाकारों को समारोह में अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संचालन के लिए आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा 09 सितम्बर 2025/ छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 के प्रावधानों के तहत विकासखंड बलौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनी (च) के वार्ड नंबर 11 से 20 तक नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान तथा ग्राम पंचायत सिवनी (च) के वार्ड नंबर 01 से 10 तक शा.उ.मू. दुकान आई.डी. क्र 542004027 एवं ग्राम पंचायत कुरदा के शा.उ.मू. दुकान आई.डी. क्र 542004028 के आबंटन हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चांपा ने बताया कि उपरोक्त ग्राम पंचायतों के समस्त स्व सहायता समूह, ग्राम पंचायत, सेवा सहकारी समिति आदि को सूचित किया जाता है कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान प्राप्त करने हेतु इच्छुक संस्था, समूह निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ-साथ संलग्न के रूप में संस्था, समूह का पंजीयन प्रमाण पत्र, बैक खाता स्टेटमेंट की छाया प्रति, संस्था, समूह के बायलॉ की छायाप्रति के साथ 22 सितम्बर 2025 को शाम 05 बजे तक आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात् प्रस्तुत आवेदन पत्र पर कोई विचार नही किया जाएगा।

मोदी सरकार का नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार ऐतिहासिक निर्णय : गीता घासी साहू

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी की भाजपा नेत्री व राजनांदगांव जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने केंद्र सरकार द्वारा नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार का फैसला आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा यह आम आदमी की जिंदगी को आसान बनाने के साथ ही अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले के प्राचीर से अपने भाषण में नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार का वादा किया था, जिसे पूरा करते हुए केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती और सुधार किया गया जो अभिनंदीय और सराहनीय है, जिससे आम आदमी, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा और व्यापक सुधार हमारे नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएगाए विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और व्यवसायों के लिए व्यापार करने में आसानी होगी। भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त, पारदर्शी और समावेशी बनाने के इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

हत्यारों ने ग्राम करही में हत्या कर शव को बरेकेल पुल से महानदी में फेंका था

उपसरपंच के लापता मामले में हत्या का हुआ पर्दाफाश

हत्या के सात आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा जिसके साथ दो नाबालिग भी शामिल

जांजगीर चांपा / उपसरपंच की लापता होने का पर्दाफाश हो गया है जिसका हत्यारों ने हत्या की घटना को करही गांव में अंजाम देकर शव को बेरकेल पुल से महानदी में फेंक दिया था । इस मामले में पुलिस ने सात आरोपियों के साथ दो नाबालिग को भी पकड़ा है । घटना का विवरण इस प्रकार है कि गत दिनांक 6 सितंबर 2025 के रात्रि उपसरपंच महेन्द्र बघेल घर नही आया है आस-पास व रिश्तेदारों में भी कोई पता नही चलने पर उपसरपंच के परिजन एवं ग्रामवासियों ने महेन्द्र की पता-तलाश की नहीं मिलने पर थाना बिर्रा में गुम इंसान दर्ज कराया।

बिर्रा पुलिस को मामले में परिस्थिति संदिग्ध परिलक्षित होने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया कि मामले की गंभिरता को लेते हुए श्रीमान पुलिस अधीक्षक जांजगीर- चाम्पा विजय पाण्डेय आईपीएस के मार्गदर्शन में एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप के दिशा- निर्देशन में एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी चाम्पा यदुमणी सिदार के कुशल पर्यवेक्षण में गुम इंसान कि पतासाजी कार्यवाही थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जय कुमार साहू के नेतृत्व में प्रारम्भ किया गया।

विवेचना दौरान पता चला कि उप सरपंच के भाई जितेन्द्र बघेल के द्वारा सरपंच पति राजकुमार साहू द्वारा अनहोनी करने का परिजन ने अंदेशा जताया था । इसी आधार पर पुलिस ने तफ्तिश शुरू कि और संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कि तो ग्राम करही सरपंच पति राजकुमार साहू व उसके अन्य साथियों के द्वारा हत्या कर शव को बरेकेल पुल से महानदी कि फेकने की जानकारी सामने आई ।

इस तरह पुलिस ने डीडीआरएफकि मदद से महानदी में उप सरपंच महेन्द्र बघेल के शव की तालाश किए लेकिन काफी मशक्कत के बाद कुछ पता नहीं चला था जिसके वाद ड्रोन से मदद ली गयी और दूर तक शव कि तालाश की गयी । इस दौरान दिनांक 8 सितंबर 25 को देर शाम डभरा क्षेत्र के साराडीह गांव में उपसरपंच का शव दिखा । कपड़े से उनकी पहचान हो गयी है जिससे उपसरपंच महेन्द्र बघेल के शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर थाना डभरा क्षेत्रांतर्गत शव मिलने पर सुरक्षार्थ डभरा चिकित्सालय में रखा गया ।

साथ ही उपसरपंच महेन्द्र बघेल की हत्या को गंभीरता से लेते हुए हत्या के आरोपी सरपंच पति राजकुमार साहू , राजू उर्फ शैलेष कश्यप , राजेन्द्र कुमार साहू , आदित्य , जितेन्द्र कश्यप , कान्हा यादव , भास्कर मांझी सभी निवासी करही एवं दो विधि विरुद्ध संघर्षरत बालकको पतासाजी कर ग्राम करही व अन्य क्षेत्र के अलग-अलग ठिकानों से उठाया । उनसे गहन पूछताछ करने पर पाया गया कि ग्राम करही सरपंच पति शासकीय निर्माण कार्य के विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दिनांक 6 सितंबर को अपने घर रात्रि 8:45 बजे बुलाकर ग्राम के प्राथमिक शाला भवन के पास अपने साथी जितेन्द्र कश्यप, महेन्द्र बघेल के साथ बैठाकर शराब व वियर का सेवन कराया और सरपंच पति राजकुमार साहू द्वारा भास्कर मांझी और कान्हा यादव को पिछे से बुलाकर गमछा से गला को घोटकर हत्या कर दिया । इसके बाद अपने भाई राजेन्द्र साहू से घर मे खड़ी अल्टो कार क्र0 सीजी 13 एएफ 8391 को मौके पर बुलाकर जितेन्द्र कश्यप, भास्कर मांझी, कान्हा यादव और दुर्गेश को बरेकेल पुल से महानदी में डालने को कहा और फोन से राजू उर्फ शैलेष एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को मौके पर बुलाकर मृतक उपसरपंच महेन्द्र बघेल के नीले पल्सर मोटर सायकल को बुढ़ाराजा खार से लगे महानदी में फेकवा दिया । मौके पर एक विधि विरुद्ध संघर्षरत बालक को बुलाते हुए सभी साक्ष्य को हटाते हुए अपने भाई राजेन्द्र साहू के साथ लुकते-छिपते घर चला गया जिससे किसी को भी भनक न लगे । जिला-जांजगीर चाम्पा पुलिस कि सजगता से समस्त घटना कम के सिलसिलावार कि गई कार्यवाही का पता लगाते हुए हत्या के घटना में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही किया गया।

उक्त कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप के मार्गदर्शन में गठित टीम के सदस्य यदुमणी सिदार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चाम्पा, जितेन्द्र कुमार खुटे उप पुलिस अधीक्षक अजाक प्रभारी, निरीक्षक जय कुमार साहू थाना प्रभारी बिर्रा, निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी शिवरीनारायण, उप निरीक्षक कृष्णपाल सिंह थाना प्रभारी बम्हनीडीह एवं थाना स्टाफ बिर्रा का सराहनीय योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की 625वीं शाखा चंदखुरी का शुभारंभ

संवाददाता

जिला रायपुर के अंतर्गत भगवान श्री राम के ननिहाल, माता कौशिल्या के जन्मस्थली ग्राम चंदखुरी में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की 625 वीं शाखा चंदखुरी का शुभारंभ बैंक के अध्यक्ष माननीय श्री वी के अरोरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री कमलेश कुंदन एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री संजय गोयल आदि अधिकारी गण उपस्थित थे। शाखा का शुभारंभ करते हुए अध्यक्ष श्री अरोरा ने ग्राहकों को बताया कि कृषि एवं कृषि आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण से परिपूर्ण चंदखुरी क्षेत्र में बैंक अपनी उत्तम सेवाये प्रदान करने के लिए ग्राम चंदखुरी में सर्व सुविधा युक्त शाखा का शुभारम्भ किया जा रहा है। जिसमें समस्त प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं इस अवसर पर उनके द्वारा बैंक द्वारा ग्राहकों को प्रदाय की जा रही सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अंत में शाखा प्रबंधक श्री मनोज कुमार शर्मा द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं ग्राहकों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

पत्नी के चरित्र शंका पर चाकूनुमा हथियार से मारकर हत्या के आरोपी पति गिरफ्तार

आरोपी द्वारा घटना के बाद अपने हाथ के नस को काटकर आत्म हत्या का किया था प्रयास

जांजगीर चांपा / पत्नी के चरित्र शंका पर पत्नी की हत्यारे पति को गिरफ्तार कर लिया है जिसने घटना के बाद अपने हाथ की नस को काटकर आत्महत्या का प्रयास भी किया था । घटना का विवरण इस प्रकार है कि गत दिनांक 7 सितंबर 2025 को दोपहर करीबन 1.40 बजे थाना जांजगीर पुलिस को सुचना मिली कि जगदीश देवांगन निवासी बलौदाबाजार भाठापारा जो शारदा मंगलम के पीछे रहते है। उसके द्वारा अपने पत्नी को लड़ाई झगड़ा करते हुए धारदार चाकू से प्राण घातक हमला कर दिया है, जिसकी सूचना पर तत्काल थाना जांजगीर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचा तो देखा कि दरवाजा बंद था । पुलिस द्वारा दरवाजा को तोड़कर अंदर घुसे तो देखा दोनों पति पत्नी बेहोशी के हालत में पड़ा था जिसको तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल जांजगीर लाया गया । इलाज के दौरान उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई एवं आरोपी पति द्वारा घटना करित करने के बाद चाकू से अपने नस को काटकर आत्म हत्या का प्रयास किया गया था, जिसको इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया था।

मामले के गंभीरता को देखते हुये आरोपी जगदीश देवांगन के चोंटिल होने के कारण ईलाज हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो आज दिनांक को डिस्चार्ज होने पर उनको पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जिसके विरुध्द धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने पर विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी जांजगीर, उनि भागवत प्रसाद डहरिया, प्रआर. राकेश तिवारी एंव अन्य स्टाफ थाना जांजगीर का सराहनिय योगदान रहा।

चण्डी दाई मंदिर महंत में शारदीय क्वांर नवरात्रि महापर्व का आयोजन।

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ श्रद्धालुओं के मनोकामना ज्योति कलशों का होगा प्रज्वलन

जांजगीर चांपा / सिद्ध शक्ति पीठ चण्डी दाई तीरथ धाम ग्राम महंत में आदिकाल से अपने 9 रूपों में साक्षात विराजित श्री चण्डी दाई के मंदिर में शारदीय क्वांर नवरात्रि महापर्व के अवसर पर दिनांक 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक10 दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया है इस अवसर पर परंपरानुसार लोक कल्याणार्थ जगत जननी श्री चंडिका देवी की विशेष आराधना ,विधि विधान से पूजा अर्चना ,श्री दुर्गा सप्तशती पाठ सहित श्रद्धालुओं के लिए मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए जायेंगे इस हेतु मंदिर परिसर में सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा व्यापक तैयारी प्रारंभ कर दी है,जिसके अंतर्गत विशाल मंदिर परिसर की साफसफाई ,रंग रोगन ,ज्योति कलशों में गेरू मिट्टी लेपन ,बिजली ,पानी की व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जा रहा है । सर्वविदित है श्री चण्डी दाई के दर्शन हेतु दूर दूर से एवं विदेशों में भी जाकर रहने वाले श्रद्धालुजन आते हैं एवं अपनी मनोकामना पूरी करते हैं । ग्राम महंत के बंधवा सरोवर के पार में विराजित श्री चण्डी दाई की असीम कृपा अंचल वासियों एवं भक्तजनों पर हमेशा बरसती रहती है जिससे समाज के सभी जाती ,धर्म के लोगों श्रद्धा, आस्था एवं विश्वास के साथ मंदिर पधारकर मनोवांछित फल प्राप्त करते हैं मंदिर में पुराणों में निहित समस्त धार्मिक एवं सनातनी परम्परा का निर्वहन एवं पुरातन ग्राम बैगा पद्धति की आराधनाओं को समाहित किया जाता है जिस हेतु ग्राम के 12 बैगाओं की मंडली , आचार्य एवं पुरोहित नवरात्रि पर्व में मंदिर परिसर में ही कल्प वास के रूप रहते हुए समस्त धार्मिक अनुष्ठान ,मनोकामना ज्योति कलशों के सेवा करते हैं एवं नवरात्रि नवमी तिथि को होने वाले ज्वारा विसर्जन उपरांत ही अपने अपने निवास स्थान के लिए प्रस्थान करते हैं।

शारदीय नवरात्रि महापर्व का शुभारंभ क्वांर शुक्ल पक्ष प्रतिपदा दिनांक 22 सितंबर दिन सोमवार को नीयत समय 11.36 से 12.24 के मध्य घट स्थापना उपरांत समस्त मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलन से होगा, इस अवसर पर परम्परा अनुसार श्री चण्डी दाई मंदिर परिसर स्थित श्री सिद्ध बाबा,श्री भैरव बाबा, सिद्धि विनायक श्री गणेश,श्री हनुमान लला,श्री भोला शंकर ,भोले भंडारी श्री चंद्रशेखर महादेव ,श्री तिरुपति बालाजी,श्री शनिदेव एवं श्री महाकाली मंदिर ,ग्राम देवता श्री ठाकुर देव ,श्री बरमबावा,श्री महावीर हनुमान,श्री सती दाई ,श्री शीतला माता एवं श्री शितबाबा मंदिर में ज्योति कलश प्रज्वलित किए जायेंगे इसके साथ ही बैगाओं द्वारा ग्राम में पुरातन काल से स्थापित देवगण स्थल श्री कुरूपाठ,श्री पुरु पाठ,श्री द्वारकाधीश ,पुरातन बेड़ा चौक स्थित श्री पांचपांडव,श्री रामसरकर ,श्री दमदमा ,श्री बघरी देव एवं श्री राजा हरिश्चंद सहित समस्त स्थलों की साफ सफाई बन्दन लेप सहित पूजा पाठ किए जाते है।मंदिर परिसर में पर्यावरण एवं वृक्षों के प्रति आत्मीयता एवं लगाव हेतु पुराणों में निहित 27 नक्षत्रों की नक्षत्र वाटिका एवं 9 ग्रहों को चिन्हांकित नवग्रह वाटिका की स्थापना की गई है।

तोरणकट्टा में सर्व समाज द्वारा नशामुक्ति पर बनाए कड़े नियम को किया अनदेखी बैठक लेकर 63,000 हजार जुर्माना

राजनांदगांव। जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर बसा सोमनी थाना अंतर्गत आने वाला ग्राम तोरणकट्टा में आमसभा का आयोजन किया गया।जिसमें सर्व समाज के सदस्यों द्वारा गांव में शराबबंदी, जुआ,सट्टा पर प्रतिबंध एवं छोटे बच्चों को दुकान से गुटका पाउच देने पर प्रतिबंध किया गया एवं एवं सार्वजनिक स्थानों में शराब पीने,गांजा पीने एवं पिलाने वालों या बेचने वालों के खिलाफ दंड का प्रावधान किया गया। जुए सट्टे के साथ आजकल के बच्चों द्वारा मोबाइल में बच्चों का जो लत लगा है उसके संबंध में भी दंड का प्रावधान किया गया है। गांव में कढ़ाई के साथ पालन के लिए विभिन्न नियम बनाए गए जिसमें शराब पीने वाले को 5000 दंड, शराब पीने वाले की जानकारी बताने वाले को 2000 इनाम दिया जाएगा।शराब गांजा बेचने वाले को 31000 बताने वाले को 5100 इनाम दिया जाएगा और आरोपी अपना दंड स्वीकार नहीं करता है तो डबल चार्ज दंड लिया जाएगा।

शराब,गांजा पीकर गाली गलौच करना,अभद्र व्यवहार व घर में भी गाली गलौज करने वाले को 5100 दंड लिया जाएगा। शराब गांजा पीकर गाली गलौज करने के संबंध में बताने वाले को 1100 इनाम दिया जाएगा।गांव में सट्टा जुआ खेलने वाले को आदमी पीछे 31,000 दंड, बताने वालों को 11000 इनाम दिया जाएगा। जिसके यहां मेहमान या रिश्तेदार आता है और शराब गांजा पीकर गाली गलौज करता है और अभद्र व्यवहार करता है तो 5000 दंड और बताने वाले को 1100 इनाम दिया जाएगा. त्यौहार के समय व कोई भी आयोजन के समय गाली-गलौज और मारपीट करने वाले को व गुट बनाने को प्रति व्यक्ति 11000 का दंड बताने वाले को 2000 ईनाम दिया जाएगा।दुकान में खुला डिस्पोजल गिलास बेचना और खरीदना माना है लेने व बेचने वाले को 5000 दंड,बताने वाले को 2000 ईनाम। रात 11 बजे तक कोई भी व्यक्ति घूमते हुए वह मोबाइल चलाते हुए पाया गया तो प्रति व्यक्ति 5000 दंड और बताने वाले को 2000 इनाम दिया जाएगा।15 साल के बच्चों को कम उम्र के बच्चों को गुटखा देना मना है अगर 15 साल के बच्चों को दुकानदार गुटका और पाउच बेचना मना है ।

खास खबर

कोरबा में चाकूबाजी की घटना

युवक पर ब्लेड से गले पर हमला

कोरबा। बदलते समय के साथ युवाओं की सोच में आए बदलाव ने आक्रामकता को बढ़ावा दिया है, जिसके कारण मारपीट जैसी घटनाएं आम बात हो गई हैं। इसी कड़ी में पंप हाउस क्षेत्र के निवासी घर के बाहर हो रहे विवाद को देखने पहुंचे, तो 15 से 20 युवकों ने उनकी जमकर पिटाई कर दी और ब्लेड से गले पर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार घायल युवक ने सीएसईबी चैकी पहुंच शिकायत दर्ज करायी है। इस घटना के अलावा, कोरबा में दो छात्राओं पर भी हमला होने की भी खबर है। दोनों ही मामले सीएसईबी चैकी के बताये जा रहे हैं। पहले केस में दो बाइक सवारों ने 12वीं में पढ़ने वाली एक छात्रा पर ब्लेड से हमला कर दिया, जबकि दूसरे केस में कथित आरोपी छात्रा का मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

रोटरी क्लब कोरबा व रेडक्रॉस सोसायटी का 9 को विशाल रक्तदान अभियान

0 कमला नेहरू महाविद्यालय में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक होगा आयोजन

रक्तदान के साथ निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी उपलब्ध

कोरबा रोटरी क्लब ऑफ कोरबा एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी मंगलवार, 9 सितम्बर 2025 को कमला नेहरू महाविद्यालय, कोरबा में विशाल रक्तदान अभियान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलेगा। क्लब अध्यक्ष रोटे. नितिन चतुर्वेदी ने बताया कि रक्तदान से असंख्य जीवन बचाए जा सकते हैं और यह अभियान जरूरतमंदों की सेवा का माध्यम बनेगा। सचिव रोटे. संतोष जैन ने कहा कि शिविर में आने वाले सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं कोषाध्यक्ष रोटे.भूमिका अग्रवाल ने नगरवासियों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने की अपील की। आयोजन का संचालन प्रोजेक्ट डायरेक्टर रोटे. मनीष अग्रवाल एवं रोटे. नितेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में होगा।

श्रम विभाग के सहयोग से न्यूज बॉय के लिए एक शिविर का आयोजन

कोरबा। न्यूज पेपर एजेंट एसोसिएशन निहारिका के तत्वाधान में श्रम विभाग के सहयोग से न्यूज बॉय के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में, घर-घर न्यूज पेपर डिलीवरी करने वाले न्यूज बॉय को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा लाभकारी एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। श्रम विभाग कोरबा द्वारा न्यूज बॉय के लिए ई-श्रम कार्ड बनाया गया। लेबर इंस्पेक्टर श्रीमती सरस्वती बंजारे ने अधिक से अधिक असंगठित कर्मकारों को राज्य और केंद्रीय योजनाओं की जानकारी दी। इस शिविर में सत्येंद्र वर्मा, कुलदीप कुमार, संदीप केशवानी, पंकज धर दीवान, प्रदीप गुप्ता, आशीष गुप्ता, उमेश गुप्ता, जावेद, रामनारायण यादव, तपेश्वर राठौर, पतरस सिंग, राधे यादव, मनीष कौशिक, राहुल साहू, बबलू, भरत पांडे और अन्य साथी उपस्थित थे।

बस्तर के बाद अब सरगुजा ओलंपिक भी शुरू होगा : डिप्टी सीएम साव

उप मुख्यमंत्री साव ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान

बिलासपुर संवाददाता।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बहतराई स्टेडियम में छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 22 वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को संघ की ओर से पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक सुशांत शुक्ला ने की। विशेष अतिथि के रूप में महापौर पूजा विधानी उपस्थित थीं।

गौरतलब है कि पूरे राज्य से आए लगभग डेढ़ हजार खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों ने तीन दिनी प्रतियोगिता में खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 7 सितम्बर तक छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ और जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से बहतराई में किया गया। इसमें एथलेटिक्स की 17 खेलों में 138 विधाओं में प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई। बालक और बालिका दोनों वर्ग के खिलाड़ी इसमें शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रतियोगिता में हिस्सेदारी के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सबने खेल भावना के अनुरूप बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। वास्तव में खेल में कोई हारता ही नहीं है। या तो वह जीतता है या आगे के लिए कुछ सीखता तो जरूर है। खेलों में भागीदारी बड़ी बात होती है। साव ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से प्रतिभा में निखार आता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास और उन्हें बुनियादी सुविधाएं देने के लिए वचनबद्ध है। हमने खेलों में बंद पड़े राज्य अलंकरण सम्मान फिर से शुरू किया है। बस्तर ओलंपिक जारी रहेगा। आगे अब सरगुजा ओलंपिक शुरू करने की भी योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सोच के अनुरूप सांसद खेल महोत्सव भी शुरू किया गया है। इससे खिलाड़ियों में नया उत्साह का संचार हुआ है। उन्होंने खेल प्रतियोगिता कराने के लिए आयोजन समिति को बधाई दी।

विधायक सुशांत शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि खेल मंत्री का प्रभार मिलने के बाद उप मुख्यमंत्री अरुण साव का खेल संबंधी यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है। उन्होंने बिलासपुर के संपूर्ण खेल बिरादरी की ओर से उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण जोश के साथ खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया है। ये खिलाड़ी आगे चलकर बेहतरीन प्रदर्शन के जरिए छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। कलेक्टर संजय अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम अमितकुमार, ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी अजीत लकड़ा, एथलेटिक्स संघ के महासचिव अमरनाथ सिंह, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, रामदेव कुमावत, जिला खेल अधिकारी एक्का सहित एथलेटिक्स संघ के पदाधिकारी और खिलाड़ी तथा खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

क्यू आर कोड से अब मनरेगा कार्यों की मिलेगी पूरी जानकारी

ग्रामीण करेंगे सीधे योजना की निगरानी'

0 डिजिटल पारदर्शिता की ओर बढ़ते सशक्त कदम'

0 ग्राम पंचायत भवन में चस्पा किये जा रहे हैं कोड'

कोरबा संवाददाता।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जिले की सभी ग्राम पंचायतों के लिए विशेष क्यूआर कोड तैयार कर लिए गए हैं। इन कोडों को पंचायत भवनों एवं प्रमुख स्थानों पर चस्पा किया जा रहा है। ग्रामीण अपने मोबाइल से इन कोड को स्कैन कर मनरेगा के पिछले तीन वर्षों में हुए सभी स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश कुमार नाग की देखरेख में इस डिजिटल पहल को लागू किया जा रहा

है। यह व्यवस्था मनरेगा कार्यों को जनता के लिए पूरी तरह पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। क्यू आर कोड से मिलने वाली प्रमुख जानकारी में पिछले तीन वर्षों में गाँव में मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की सूची।प्रत्येक कार्य पर स्वीकृत राशि एवं व्यय का विस्तृत विवरण। प्रगतिरत कार्यों की स्थिति। जॉब कार्डधारियों की कुल एवं सक्रिय संख्या।100 दिनों का कार्य पूरा करने वाले श्रमिकों की जानकारी। सृजित कुल मानव दिवस एवं व्यय राशि आदि की जानकारी मोबाइल से मिल सकेगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने बताया कि यह पहल ग्रामीणों को योजनाओं की सीधे निगरानी का अधिकार देती है। अब ग्रामीण स्वयं देख सकेंगे कि उनके गाँव में हुए विकास कार्यों पर कितना धन खर्च हुआ और किस स्तर पर उपयोग किया गया। इससे अनियमितताओं पर रोक लगेगी और योजनाओं पर जनता का भरोसा मजबूत होगा।

यह प्रणाली न केवल पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि ग्रामीणों को सशक्त सहभागी भी बनाती है। अब वे केवल दर्शक नहीं, बल्कि अपने गाँव के विकास की प्रत्यक्ष निगरानी करने वाले बनेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकार की पारदर्शिता और जनभागीदारी की नीति को आगे बढ़ाते हुए, यह पहल कोरबा जिले के सभी जनपद पंचायतों में लागू की जा रही है। इससे विकास कार्यों की जानकारी हर ग्रामीण तक सहजता से पहुँचेगी और योजनाओं की प्रगति पर जनता की सीधी नजर बनी रहेगी।

भाद्रपद पूर्णिमा पर माँ सर्वमंगला घाट में जुटे पर्यावरण प्रेमी और समाजसेवी

कोरबा संवाददाता।

कोरबा जिले की जीवनरेखा हसदेव नदी के संरक्षण और तट सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से कार्यरत नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा प्रत्येक मास की पूर्णिमा को माँ सर्वमंगला घाट, कोरबा पर 'हसदेव आरती' का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में भाद्रपद पूर्णिमा के पावन अवसर पर 6 सितंबर को शाम 5 बजे भव्य हसदेव आरती कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा रहा, बल्कि लोगों को नदी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रेरणादायक प्रयास भी बना। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित व्यक्ति यजमान के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पवित्र मुहिम को और बल प्रदान किया। मुख्य यजमान के रूप में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल ने आरती में सहभागिता की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मेरा जन्म ग्राम तरदा में हुआ है। बचपन में मैं हसदेव नदी में घंटों नहाया करता था और उसका जल पीता था। लेकिन आज स्थिति यह है कि हसदेव नदी का जल इतना प्रदूषित हो गया है कि उसे पीना तो दूर, स्नान करना भी संभव नहीं रह गया है। नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा नदी को निर्मल बनाने का जो प्रयास किया जा रहा है, उसमें भारतीय मजदूर संघ तन, मन और धन से सहयोग करेगा।÷ विशिष्ट यजमान के रूप में अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इनमें हेमंत माहुलीकर (प्रदेश महामंत्री, संस्कार भारती, छत्तीसगढ़), नरेश कुमार अग्रवाल (प्रदेश सचिव, भारत विकास परिषद, छत्तीसगढ़), सुश्री जया मिश्रा (प्रदेश प्रभारी, महिला पतंजलि योग समिति, छत्तीसगढ़) और सुश्री ऋचु चैरसिया (प्रदेश मंत्री, भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़) प्रमुख रूप से शामिल हुई।

जैन समाज के क्षमावाणी पर्व में मंत्री व महापौर हुए शामिल

कोरबा,संवाददाता।

7 सितंबर को श्री 105 आरीका संघ का 34वाँ चातुर्मास वर्षायोग श्री दिगंबर जैन मंदिर, बुधवारी, कोरबा (छत्तीसगढ़) में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस पावन अवसर पर जैन मिलन समिति कोरबा द्वारा क्षमावाणी पर्व का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन, समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे। क्षमावाणी पर्व जैन धर्म का प्रमुख पर्व है, जो आत्मशुद्धि, विनम्रता और क्षमा की भावना को उजागर करता है। यह पर्व हमें अपने द्वारा किए गए कष्टप्रद व अनजाने कर्मों के लिए क्षमा माँगने का पावन अवसर प्रदान करता है। साथ ही समाज में भाईचारा, प्रेम, सहिष्णुता और मैत्री का संदेश फैलाने का कार्य करता है।

इस शुभ अवसर पर श्री लखन लाल देवांगन (कैबिनेट मंत्री), संजू देवी राजपूत (महापौर कोरबा नगर निगम), श्री नरेंद्र देवांगन, श्री प्रदीप जैन, डॉ. प्रिंस जैन, श्री

ओमप्रकाश जैन, डॉ. आकांक्षा जैन सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। विशेष रूप से माननीय महापौर संजू देवी राजपूत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा,क्षमावाणी पर्व मानवता का अनुपम संदेश है। यह हमें सिखाता है कि क्षमा केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। समाज में प्रेम, सहिष्णुता और परस्पर समझदारी बढ़ाने के लिए हमें अपने अहंकार को त्यागकर एक-दूसरे के प्रति करुणा का व्यवहार अपनाना चाहिए। यदि हम अनजाने में किसी को ठेस पहुंचाते हैं, तो विनम्रता से क्षमा मांगें और दिल से दूसरों को भी क्षमा करें। यही सच्चा धार्मिक व नैतिक मार्ग है।

राखड़ से धान की फसल हुयी बर्बाद, किसानों को हुआ लाखों का नुकसान, कलेक्टर से करेंगे शिकायत

कोरबा संवाददाता।

गेवरा-पेंड्रा रेल कारीडोर मार्ग के लिए बिछयी जा रही रेल पटरी और निर्माण कार्य के लिए आसपास के क्षेत्र में पिछले एक साल के दौरान बड़े पैमाने पर राखड़ डंप किया गया है। भारी बरसात के कारण बेतरतीब तरीके से डाली गई राखड़ खेतो में घुस गया है, जिसके कारण धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गयी हैं। गेवरा स्टेशन से कुछ दूर ग्राम भैरोताल और कुचेना सीमा पर पिछले एक साल से रेल पथ निर्माण कंपनी का कार्य चल रहा है। यहां पर समतलीकरण करने के लिए बिजली सयंत्रों से निकली राखड़ का उपयोग कर गड्ढों और खेतों में भराव किया

गया है। जो गर्मी के दिन में उड़कर आसपास के रिहाइशी इलाके को प्रदूषित कर रहा था और अभी भारी बरसात के कारण बहकर कई एकड़ क्षेत्र में लगे धान के फसल को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है जिससे किसानों की माथे पर चिंता की लकीरें उभर गयी है। एनटीपीसी-दीपका रेल लाइन के किनारे बांकी-कुसमुंडा सड़क मार्ग के बीच घिरे कई एकड़ खेत मे इन दिनों धान की फसलें लगाई गई है, जो राखड़ के पट जाने से बर्बाद हो चुकी हैं। किंतु क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि, शासनध्प्रशासन के अधिकारी किसी ने भी इस बाबत सुध नही ली है। आवारा मवेशियों से भी फसल की सुरक्षा के लिए किसानों ने फेंसिंग पर हजारों खर्च कर डालें है, पर खेतों में राखड़ पटाव हो जाने से सारी उम्मीद खत्म हो गयी हैं। इसी जगह में बांकी-कुसमुंडा-कोरबा को जोड़ने के लिए सड़क निर्माण किया जा रहा है, जिसमे भैरोताल और कुचेना के एक दर्जन से अधिक किसानों की जमीन प्रभावित हो रही है। खेतों के बीचों-बीच सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जिसके कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा। यही नही भूमि अर्जन के लिए भू-अर्जन 2013 अधिनियम के अनुसार निगम क्षेत्र होने के कारण बाजार भाव का दुगना दर से मुआवजा दिया जाना चाहिए, किंतु मुआवजा निर्धारण में नियमो का पालन नही किये जाने ले कारण हर किसान को कई लाखों रुपये का नुकसान होगा।

निगरानी के लिए लगाए गए बेरियर की खरोंच बनी मोटी कमाई का जरिया

कोरबा (आरएनएस)। एसईसीएल की मेगा प्रोजेक्ट गेवरा-दीपका में निगरानी के लिए लगाए गए बेरियर में किसी वजह से आने वाली खरोंच कुछ अधिकारियों और कर्मियों के लिए एकतरफा मोटी कमाई का जरिया बन गई है। ऐसे हर मामले में 20 हजार रुपए वाहन चालकों अथवा मालिकों से लिए जा रहे हैं। यह बात एसईसीएल के सीएमडी तक पहुंच गई है। ट्रांसपोर्ट ट्रक एंड ट्रेलर मालिक संघ ने गेवरा-दीपका क्षेत्र में चल रहे इस मनमाने और अवैध कारनामे पर आपत्ति दर्ज कराई। सीएमडी को भेजे गए पत्र में अध्यक्ष संजीव सिंह ठाकुर ने कहा है कि एसईसीएल गेवरा-दीपका क्षेत्र में बूम बेरियर डेमेज होने पर प्रत्येक मामले में 20 हजार रुपए का डेमेज चार्ज लिया जा रहा है या इसकी वसूली की जा रही है। यह डेमेज चार्ज अत्याधिक और अनुचित बताया गया है। सीएमडी की जानकारी में इस बात को लाया गया है कि खदान क्षेत्र में आने-जाने के दौरान किसी वजह से अगर बेरियर को आंशिक खरोंच आती है या नुकसान होता है तो इसे बनाने में अधिकतम 5 से 8 हजार का खर्च संभावित है।

इस मामले में बेरियर पर मौजूद कर्मी किसी की बात नहीं सुनते। मौके पर लगाए गए स्कैनर के जरिए संबंधित गाड़ी चालक या उसके मालिक से सीधे 20 हजार रुपए लिए जा रहे हैं। संबंधित रकम एसईसीएल गेवरा के खाते में जाने का पता चल रहा है। महंगाई के दौर में इस तरह की मनमानी हरकतें संगठन के साथ-साथ उसके सदस्यों के लिए बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। संगठन ने कहा है कि यह सब कैसे चल रहा है, समझ से परे है। संगठन ने सीएमडी से कहा है कि बूम बेरियर डेमेज चार्ज को कम करने के साथ वास्तविक मरम्मत खर्च का आंकलन करते हुए न्यूनतम राशि तय की जाए।

देर रात तक शोर-शराबा होने पर कोतवाली क्षेत्र में एक्शन

नियमों से खिलवाड़, पुलिस ने जब्त किए डीजे और वाहन

संवाददाता

कोरबा, बार-बार नसीहत देने पर भी नियमों की बेकद्री करने में डीजे साउंड सिस्टम संचालक लगातार कर रहे हैं। उत्सव को बहाना बनाकर ऐसे कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। लोगों को हो रही परेशानी को ध्यान में रख कोतवाली पुलिस ने बीती रात लगभग 10 बजे अपने क्षेत्र में सख्ती दिखाई और दो डीजे सिस्टम को गाड़ी सहित जब्त कर लिया। उन पर कोलाहल अधिनियम की धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र में रात्रि को जमकर धूम-धड़ाका हो रहा था। गाजे-बाजे के साथ लोग जुलूस निकाल रहे थे। इससे आसपास के वातावरण को बाधा उत्पन्न हुई। तय मानक से कई गुना ज्यादा डेसिबल में डीजे का उपयोग किया जा रहा था। उसके साथ लगे हुए साउंड बॉक्स का बेस और साउंड

इस कदर था कि आसपास में काफी दूर तक इसकी आवाज सुनी गई। सामान्य आवागमन पर भी इसका बुरा असर पड़ा। कई लोगों ने इस बारे में आपत्ति की जिसे संबंधित लोगों ने अनसुना कर दिया और उलझने पर उतारू हो गए। जन स्वास्थ्य से जुड़े खतरों को भी हासिए पर करने की कोशिश की गई। जिसके बाद कोतवाली पुलिस को अवगत कराया गया। पुलिस ने इस पर संज्ञान लिया और मौके पर पहुंच संबंधितों को फटकार लगाई।

पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में विकास डीजे सीतामणी और गिरीश डीजे बालको के सिस्टम और वाहन को जब्त किया गया है। उनके खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने यह भी कहा कि आगे भी इस तरह की कार्रवाई जरूर होगी, क्योंकि पहले ही डीजे संचालकों को नियम के साथ-साथ समय बता दिए गए थे और हर हाल में इसका परिपालन करने को कहा गया था। इतना होने पर भी मनमानी करना बर्दाश्त से बाहर है। अब से लेकर नवरात्र उत्सव और दीपावली तक इस प्रकार की कार्रवाई पुलिस करती रहेगी।

सड़क हादसा : दो बाइकों की भिड़ंत, एक युवक की मौत

कोरबा । जिले में एक और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। रविवार सुबह पाली-चैतुरगढ़ मुख्य मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे में बाइक पर सवार तीन युवकों में से एक युवक अन्नू सिंह (पिता सहदेव, निवासी बनबांधा) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पाली पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भिजवा दिया अन्य दो युवकों के घायल होने की भी आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर तेज रफ्तार और सावधानी की कमी आए दिन ऐसे हादसों का कारण बन रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 8 सितंबर की देर रात राजधानी रायपुर के हृदयस्थल जयस्तंभ चौक स्थित नगर निगम द्वारा निर्मित स्वागत मंच पर पहुंचे और ऐतिहासिक गणेश विसर्जन यात्रा में शामिल होकर झांकियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रायपुर की गणेश विसर्जन झांकी अत्यंत ऐतिहासिक परंपरा का प्रतीक है।

हत्या के मामले में 2 आरोपी और 1 नाबालिग सहित 3 गिरफ्तार

रायपुर, रायपुर जिले के तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में 26 अगस्त 2025 को एक नाबालिग की हत्या के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों और एक विधि के साथ संघर्षरत बालक सहित कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विजय धीरज कुमार (24 वर्ष) और कुलदीप बंजारे (23 वर्ष), दोनों ग्राम कोटा, सतनामी पारा, थाना तिलदा नेवरा, रायपुर के निवासी, के रूप में हुई है। तीसरा आरोपी एक नाबालिग है।

घटना की शुरुआत तब हुई जब प्रार्थी ने 26 अगस्त 2025 को थाना तिलदा नेवरा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका नाबालिग पुत्र रात 8:00 बजे गणेश पंडाल देखने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। इस सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। 6 सितंबर 2025 को प्रार्थी के पुत्र का शव ग्राम कोटा स्थित बड़े तालाब के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला प्रतीत होने पर थाना तिलदा नेवरा में अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 373/2025, धारा 137(2), 103(1) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (क्राइम) संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक (विधानसभा) वीरेंद्र चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक (क्राइम) संजय सिंह और थाना प्रभारी तिलदा नेवरा को अज्ञात आरोपियों की तलाश और गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तिलदा नेवरा की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, प्रार्थी से पूछताछ की और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की।

हत्या एवं हत्या के प्रयास का फरार आरोपी विचाराधीन बंदी गिरफ्तार

12 घंटे के भीतर पकड़ा गया फरार विचाराधीन बंदी को

रायपुर पुलिस एवं जी.आर.पी पुलिस दुर्ग की संयुक्त कार्यवाही

रायपुर, अभिरक्षा से फरार विचाराधीन बंदी आरोपी करण पोर्ते चढ़ा पुलिस के हत्थे। हत्या के प्रकरण में आरोपी के विरूद्ध थाना मंदिर हसौद के अपराध क्रमांक 98/21 धारा 302, 307 भादवि. का अपराध किया गया था पंजीबद्ध। अभिरक्षा से फरार होने पर आरोपी के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 299/25 धारा 262 बी.एन.एस का अपराध किया गया है पंजीबद्ध। थाना मंदिर हसोद जिला रायपुर के अपराध क्रमांक 98/2021 धारा 307, 302 भादवि. के विचाराधीन बंदी करण पोर्ते पिता कार्तिक पोर्ते उम्र 22 साल निवासी सेरीखड़ी गोंड पारा थाना मंदिर हसौद केन्द्रीय जेल रायपुर में निरूद्ध था। इसी दौरान विचाराधीन बंदी करन पोर्ते का स्वास्थ्य खराब होने से उसे जेलकर्मियों द्वारा विचाराधीन बंदी को उपचार हेतु एम्स हॉस्पिटल रायपुर में दिनांक 06.09.2025 को भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान विचाराधीन बंदी मौका पाकर एम्स हॉस्पिटल रायपुर से फरार हो गया था, कि केन्द्रीय जेल रायपुर के जेलकर्मी की रिपोर्ट पर आरोपी विचाराधीन बंदी करन पोर्ते के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 299/2025 धारा 262 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आमानाका पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा फरार आरोपी विचाराधीन बंदी करन पोर्ते के संबंध में मुखबीर लगाने के साथ ही तकनीकी विश्लेषण व अन्य माध्यमों से लगातार पतासाजी की जा रहीं थी। इसी दौरान टीम के सदस्यों को आरोपी विचाराधीन बंदी के ट्रेन के माध्यम से फरार होने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा जी.आर.पी पुलिस एवं आर.पी.एफ से समन्वय स्थापित कर आरोपी विचाराधीन बंदी के संबंध में जानकारी साझा किया गया। इसी दौरान टीम के सदस्यों एवं जी.आर.पी पुलिस दुर्ग की सहायता से आरोपी विचाराधीन बंदी करन पोर्ते को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी - करण पोर्ते पिता कार्तिक पोर्ते उम्र 22 साल निवासी सेरीखड़ी गोंड पारा थाना मंदिर हसौद जिला रायपुर।

चाकूबाजी की घटना के दो आरोपी गिरफ्तार, मोटरसाइकिल जाम को लेकर हुआ था विवाद

रायपुर, । जिले के नेवरा थाना क्षेत्र में 24 जुलाई 2025 को हुई चाकूबाजी की घटना के दो मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनुष निषाद (20 वर्ष) और सोनू साहू उर्फहेमंत साहू (21 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों नेवरा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इस घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (सीजी 04 क्यू.डी. 4895) को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। घटना 24 जुलाई 2025 की रात करीब 8:30 बजे की है, जब प्रार्थी सतीश यादव के बड़े भाई मुकेश यादव और उनके दोस्त दिनेश साहू अपने घर के सामने बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी धनुष निषाद, पोई उर्फ चन्द्रकांत साहू और उनके अन्य साथियों ने रोड में खड़ी मोटरसाइकिल को हटाने की बात को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने मुकेश और दिनेश को गंदी-गंदी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने धारदार चाकू से हमला कर दिया, जिससे मुकेश यादव के पेट और भुजा में गंभीर चोटें आईं, वहीं दिनेश साहू के सिर में चोट लगी।

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित ङ्क मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

आगामी वर्षों में नीतिगत निर्णयों और योजनाओं के निर्माण में प्रगति रिपोर्ट मार्गदर्शक सिद्ध होगी ङ्क वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी

सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि

राज्य नीति आयोग ने जारी की जिला प्रगति रिपोर्ट 2024

रायपुर, संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ द्वारा तैयार ÷सतत विकास लक्ष्य (स्छत) राज्य एवं जिला प्रगति रिपोर्ट 2024÷ का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य उपस्थित थे।

यह रिपोर्ट वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें राज्य एवं जिला स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में हुई प्रगति का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2023 में राज्य का कंपोजिट स्कोर 69 था, जो 2024 में बढ़कर 70 हो गया है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ की सतत विकास की दिशा में सकारात्मक प्रगति को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए छत्तीसगढ़ सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह रिपोर्ट इस तथ्य का प्रमाण है कि राज्य और जिले स्तर पर किए जा रहे प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, ऊर्जा और लॉजिस्टिक जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष बल देकर सतत विकास लक्ष्यों को और अधिक गति प्रदान की जाएगी।

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट न केवल नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जिला स्तर पर हो रहे कार्यों की स्पष्ट तस्वीर भी प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट आगामी वर्षों में नीतिगत निर्णयों और योजनाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष एवं मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने कहा कि जिला स्तर पर एसडीजी प्रदर्शन का यह आकलन, नीति निर्माण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। आयोग का प्रयास है कि प्रत्येक जिले को उसकी ताकत और चुनौतियों के अनुरूप आवश्यक समर्थन और दिशा प्रदान की जा सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय स्तर पर अन्य राज्यों के बीच एक आदर्श रूप में स्थापित होगा।

गौरतलब है कि रिपोर्ट के अनुसार 82 संकेतकों के आधार पर प्रत्येक जिले का स्कोर और रैंकिंग तय की गई है। जिलों को चार श्रेणियों–एस्पिरेटर, परफॉर्मर, फ्रंट रनर और अचीवर में वर्गीकृत किया गया है। वर्ष 2024 में राज्य के 28 जिले फ्रंट रनर श्रेणी में शामिल हुए, वहीं 5 जिले परफॉर्मर श्रेणी में आए। धमतरी जिले ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अचीवर श्रेणी में अपना स्थान बनाए रखा। 12 जिलों ने अपने स्कोर में वृद्धि दर्ज की, जबकि 10 जिलों ने अपना स्कोर बरकरार रखा।

राज्य स्तर पर 16 सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत 275 संकेतकों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से 40 संकेतकों ने वर्ष 2024 तक ही अपने निर्धारित 2030 लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि राज्य की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करने वाली है। अनुमान व्यक्त किया गया है कि आगामी दो से तीन वर्षों में 83 संकेतकों के लक्ष्य भी हासिल कर लिए जाएंगे।

परिजनों ने पितरों का श्राद्ध प्रारंभ किया, अमावस्या तक पितर आएंगे, संतानों को आशीर्वाद देने

रायपुर, आश्विन मास की प्रतिपदा तिथि पर आज से पितृ पक्ष प्रारंभ हो गया है। पितृ पक्ष का वेदपुराणों एवं हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान है। राजधानी सहित आज प्रदेश भर में सुबह से ही हिंदू धर्मावलंबियों ने तालाब एवं नदी में जाकर विधि विधान से पितरों का तर्पण शुरू किया। पितृ पक्ष के अवसर पर परिजनों की मान्यता के अनुसार पितर संतानों को आशीर्वाद देने के लिए 15 दिन धरती पर आते हैं इस दौरान उनकी मनपसंद खाद्य सामाग्रियों का निर्माण कर उसे खिलाया जाता है। आज भोजन निर्माण के पश्चात गाय, कुत्ता कौवा आदि का हिस्सा निकालकर पूर्वजों की स्मृति में श्रद्धापूर्वक पितृपक्ष का पूजन प्रारंभ किया गया है। यह पूजन पितृमोक्ष अमावस्या 21 सितंबर तक चलेगा। चौबे कालोनी निवासी पंडित विनित शर्मा के अनुसार विधि विधान से पितरों का श्राद्ध नहीं करने पर पितर नाराज होते हैं और पितृ दोष के चलते परिजनों के कामों में बाधा आती है। श्रद्धापूर्वक किये गये श्राद्ध से पितर प्रसन्न होकर अपनी संतानों को अक्षय सुखों की प्राप्ति का आशीर्वाद देते हैं। पितृ तर्पण पूजन विधि के अनुसार कुछ जातक अपने माता पिता की तिथि नवमी तिथि एवं अमावस्या पर श्राद्ध करते हैं किंतु पं. शर्मा के अनुसार पूरे 15 दिनों तक विधि पूर्वक किये गये तर्पण से ही पितर प्रसन्न होकर पृथ्वी से वापस होते हैं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन 11 को बस्तर में

आयोजन का लक्ष्य संतुलित क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन, और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना

रायपुर, । छत्तीसगढ़ सरकार 11 सितंबर 2025 को बस्तर में इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन कर रही है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र के विकास को गति देना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा यह पहल की जा रही है। इससे पहले भी इस तरह के आयोजन दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, टोक्यो, ओसाका और सियोल में हो चुके हैं, जिनसे नवंबर 2024 से अब तक 6.65 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

प्रमुख विशेषताएं और नीतिगत पहल

यह आयोजन छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-30 का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य संतुलित क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन, और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना है। इस नीति के तहत, 1000 करोड़ से अधिक का निवेश या 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। नीति में पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिससे बस्तर में होटल, इको-टूरिज्म, और एडवेंचर स्पोर्ट्स जैसी परियोजनाओं पर 45त्न तक सब्सिडी मिलेगी। इसके अलावा, बस्तर के 88त्न ब्लॉक ग्रुप-3

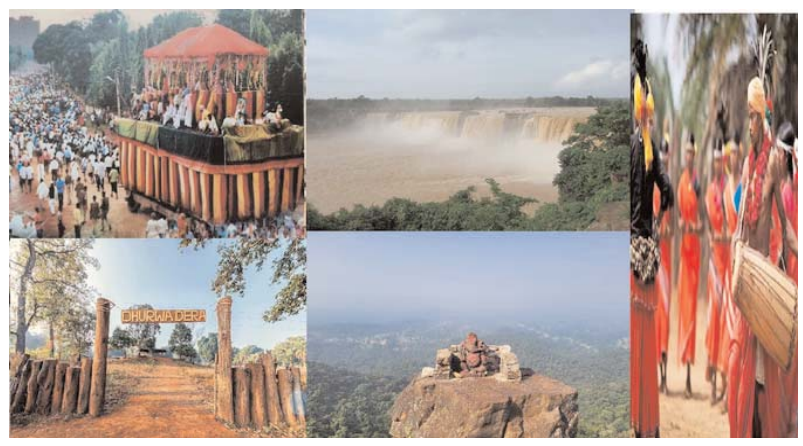

श्रेणी में आते हैं, जिससे निवेशकों को अधिकतम लाभ मिल सकेगा।

समावेशी विकास के लिए विशेष प्रावधान

नीति में समावेशी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है:

एससी/एसटी उद्यमियों: 10 प्रतिशत अतिरिक्त सब्सिडी का प्रावधान है।

नक्सलवाद प्रभावित परिवार : इन परिवारों के व्यक्तियों को 10त्न अतिरिक्त सब्सिडी मिलेगी।

आत्मसमर्पित नक्सली: औद्योगिक इकाइयों में रोजगार देने पर 5 साल तक उनके वेतन पर 40 प्रतिशत सब्सिडी (अधिकतम 5 लाख प्रति वर्ष) दी जाएगी।

इसके अलावा, बस्तर में स्टील सेक्टर की इकाइयों को 15 साल तक रॉयल्टी रीइम्बर्समेंट की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री का वक्तव्य और आयोजन की उम्मीदें

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार बस्तर के युवाओं को कौशल और अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे छत्तीसगढ़ की विकास गाथा में सक्रिय भागीदार बन सकें।

सरकार को उम्मीद है कि इस आयोजन में देश-विदेश के 200 से अधिक प्रमुख निवेशक और उद्यमी शामिल होंगे, जिससे बस्तर के विकास में नए अध्याय की शुरुआत होगी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है, जिससे बस्तर सतत और समावेशी विकास का प्रतीक बनेगा।

केंद्र सरकार ने खुदरा दवाओं के दाम तय किये

उल्लंघन करने पर विक्रेताओं के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर, संवाददाता। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विभिन्न फार्मास्वीटिकल्स कंपनियों को खुदरा दवाओं के दाम कम करने के निर्देश दिये गये हैं। ज्ञातव्य है कि देश भर से आमजनों एवं चिकित्सकगणों द्वारा लगातार कम कीमत की दवाओं को विभिन्न नियमों का हवाला देकर महंगी दर पर बेचा जा रहा था । जिसके चलते आम मरीज का इलाज बेहद महंगा हो गया था। खुदरा दवाओं के दाम कम होने से जहां मरीजों को राहत मिलेगी वहीं सरकार का विश्वास भी आमलोगों के बीच मजबूत होगा।

एनपीपीए अपने आदेश में कहा है कि खुदरा विक्रेता और डीलर मूल्य सूची व अनुपूरक सूची सार्वजनिक स्थानों से लगाए। यह सूची दवा खरीदने वाले उपभोक्ताओं को साफ साफ दिखाई देनी चाहिए। आम दवाओं के खुदरा मूल्य केंद्र सरकार के द्वारा तय कर दिये गये है इनमें ब्रान्ड स्प्रेक्ट्रम एवं एनटीबायोटिक दवा जाईरेस हेल्थ केयर एवं इप्का लेबोरेटिरिज द्वारा जारी क्रमशः मोरो पेलम एवं सुल्बासेक्टम इंजेक्शन एवं मायो कोपेल आदि शामिल है। जिसकी कीमत प्रति वायल 1938 रुपये 98 पैसे तय की गई है। इसके अलावा अन्य दवाओं में मोफिटेल जो बैक्टीरियल इंफेक्शन को दूर करती है उसकी कीमत 131 रुपये 58 पैसे एवं प्रति टेबलेट 71 रुपये 71 पैसे निर्धारित की गई है।

महानदी के मुख्य नहर में बड़ी दरार, गांव में मची अफरा-तफरी आरंग में कुकरा गांव के पास दरार भ्रष्टाचार का लगा आरोप

संवाददाता

रायपुर,। राजधानी के आरंग विधानसभा क्षेत्र में स्थित महानदी लखौली मुख्य नहर के टूटने से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना ग्राम कुकरा के पास की बताई जा रही है, जहां नहर के प्रथम गेट के समीप करीब 15 से 20 फीट की दरार बन गई है। तेज बहाव के चलते नहर का पानी खेतों में भर गया, जिससे फसलें तबाह होने की आशंका जताई जा रही है।

सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचकर बबूल और छिन के पेड़ों की डंगाल डालकर पानी के तेज बहाव को रोकने की कोशिश में जुट गए हैं। वहीं, जेसीबी मशीनें मंगाकर मिट्टी भराव का कार्य भी शुरू किया गया है। कुकरा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में भरे पानी के चलते धान की खड़ी फसलें डूबने का

खतरा बना हुआ है।

नहर निर्माण में बड़ा भ्रष्टाचार - ग्रामीणों का कहना है कि जल संसाधन विभाग ने आरंग में करीब 16 किलोमीटर नहर निर्माण में बड़ा भ्रष्टाचार किया है। गुणवत्ताहीन निर्माण के कारण ही नहर टूट गई है। लंबे समय से नहर की मरम्मत और रखरखाव को लेकर शिकायतें की जाती रही हैं, लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई।

अधिकारियों को दी गई जानकारी

घटना की जानकारी मिलते ही जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर ने तत्काल रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह, जिला सीईओ विश्वरंजन, एसडीएम अभिलाषा पैकरा और एसडीओ प्रमोद पाल को फोन कर स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि तुरंत मरम्मत कार्य प्रारंभ करने और पानी के बहाव को नियंत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि अचानक पानी भर जाने से फसलों के साथ-साथ गांवों में पानी घुसने से जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

जल संसाधन विभाग पर उठे सवाल

घटना के बाद से ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नहर की निगरानी और मरम्मत होती, तो इस तरह की घटना टाली जा सकती थी। स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं अधिकारी प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिंचाई विभाग का अमला, प्रशासनिक अधिकारी और तकनीकी कर्मचारी मौके की ओर रवाना हो चुके हैं। स्थिति को जल्द नियंत्रण में लेने के प्रयास जारी हैं।

राजधानी में 13 से बढ़ेगी मानसून की गतिविधियां

0 उपरी हवा में चक्रवात के कारण हो रही अनवरत वर्षा

रायपुर, प्रदेश में 13 सितंबर से मानसून की गतिविधियां तेज होने का पूर्वानुमार मौसम विभाग ने व्यक्त किया है। डॉ. चन्द्रा ने बताया कि राज्य में इस समय खाड़ी में सिस्टम बनने से अनवरत वर्षा हो रही है। पाकिस्तान में भी एक सिस्टम बना हुआ है। राजधानी में आज सुबह धूप निकली। बीती रात कई स्थानों पर बिजली गुल रही जिसके कारण लोगों को परेशानी हुई। डॉ. चन्द्रा ने बताया कि 13 से मानसून गतिविधियां तेज हो जाएंगी।

डॉ. चन्द्रा के अनुसार फिलहाल वर्षा का रिकार्ड एकत्र किया जा रहा है। प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र कहे जाने वाले बलरामपुर में बांध खतरे में है। वहीं महानदी में मुख्य नहरों से पानी छोड़ा जा रहा है। पानी के बहाव के कारण कई नहरें फूट गई है। ग्राम लखौनी के पास कुकरा में नल फूटने के कारण लोगों को काफी परेशानी हुई लेकिन जागरूकता के कारण फलस तबाह होने से बच गई। उपरी हवा में चक्रवात तथा द्रोणिका के कारण इस समय छत्तीसगढ़ के अनेक स्थानों में वर्षा हो रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।

www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)